फाइल सं. 42001/04/2023/ एनसीवीईटी

भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

(राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद्)

आदेश

दिनांक 27 मार्च, 2024

विषय : व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल (वीईटीएस) में मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के लिए दिशानिर्देश।

1. राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) को भारत सरकार द्वारा दिनांक 05 दिसंबर, 2018 की राजपत्र अधिसूचना सं. एसडी 17/113/2017-ई एंड पीडबल्यू के तहत अधिसूचित किया गया था। एनसीवीईटी की राजपत्र अधिसूचना के अध्याय III (परिषद् के कार्य और शक्तियां) के पैरा 16, बिंदु (ज) के अनुसार, एनसीवीईटी का एक महत्वपूर्ण कार्य, 'अवार्डिंग निकायों द्वारा अकलनकर्ताओं के प्रशिक्षण और प्रमाणन के लिए दिशानिर्देश तैयार करना' है। इस अधिदेश के अनुसरण में एनसीवीईटी द्वारा **"मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए दिशानिर्देश (टीओए)"** तैयार किए गए हैं।

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) जैसी नीतिगत पहलों से, सामान्य शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण पर संवर्धित बल दिया गया है। अतः सामान्य शिक्षा की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कौशल प्राप्त मूल्यांकनकर्ताओं की आवश्यकता भी बढ़ी है। साथ ही, भारत को **"दुनिया की कौशल राजधानी"** बनाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई परिकल्पना के अनुसार, कौशल प्राप्त कार्यबल का एक विश्वस्तरीय पूल बनाने के लिए मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। इन दिशानिर्देशों से व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षण और कौशल व्यवस्था में बेहतर परिणामों के लिए मूल्यांकनकर्ताओं के समग्र क्षमता निर्माण के लिए प्रावधान हो सकेंगे।

3. मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण दिशानिर्देश एक औपचारिक, गुणवत्ता आश्वासन परिपूर्ण और गतिशील फ्रेमवर्क है, जिससे जॉब अपेक्षाओं की पूर्ति होती है और यह भविष्य के लिए तैयार है जिससे वीईटीएस व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। इससे मूल्यांकनकर्ताओं के लिए आकांक्षी और संरचित प्रगति के मार्गों को प्रोत्साहित करके क्षमता और उद्योग के अनुकूल मूल्यांकनकर्ता भी तैयार हो सकेंगे।

4. इन दिशानिर्देशों को इनके कार्यान्वयन के दौरान प्राप्त फीडबैक और अपेक्षाओं के आधार पर समय-समय पर आगे संशोधित/ अद्यतित किया जा सकता है।

हस्ता./-

(कर्नल गुंजन चौधरी),

निदेशक, एनसीवीईटी

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT
& ENTREPRENEURSHIP

NCVET
कौशल गुणवत्ता प्रगति

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के लिए दिशानिर्देश

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

भारत सरकार

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद्

चौथा तल, कौशल भवन,

अफ्रीका एवेन्यू, डिप्लोमेटिक एन्कलेव,

चाणक्यपुरी, दिल्ली - 110023

विषय सूची

1.	प्रस्तावना	8
1.1	वर्तमान स्थिति	9
1.2	विभिन्न प्रकार की अर्हताओं के लिए टीओए	10
1.2.1	दीर्घ अवधि के प्रशिक्षण (एलटीटी) के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए	10
1.2.2	अल्प अवधि के प्रशिक्षण (एसटीटी) के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए	11
1.2.3	राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) और माइक्रोक्रेडेंशियल के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए	11
1.3	चुनौतियां	12
1.4	आवश्यकता	12
1.5	टीओए में एबी और एए की भूमिका	13
2.	दिशानिर्देशों के उद्देश्य और दायरा	13
2.1	उद्देश्य	13
2.2	दायरा	14
3.	प्रॉक्टरों के कार्य और उत्तरदायित्व	14
4.	मूल्यांकनकर्ताओं के कार्य और उत्तरदायित्व	15
5.	मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के कार्य और उत्तरदायित्व	16
6.	प्रॉक्टरों, मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के बीच अंतर	17
7.	टीओए : बुनियादी सिद्धांत	17
7.1.1	मूल्यांकनकर्ताओं के लिए	20
7.1.2	मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के लिए	20
8.	अनिवार्य टीओए व्यवस्था/ प्रक्रिया	24
8.1	टीओए कार्य नीति	24
8.2	प्रक्रिया प्रवाह (प्रोसेस फ्लो)	25
8.3	टीओए फ्रेमवर्क	26
8.3.1	योग्यता डिजाइन	27
8.4	टीओए कार्यक्रम का विकास	29
8.4.1	मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन	30
8.4.2	संकलित किए जाने वाले साक्ष्य सहित मूल्यांकन कार्यों का अवलोकन	32
8.5.	क्षेत्र (डोमेन) और प्लेटफार्म कौशलों के लिए अवधि	33
8.6.	अर्हता कार्यान्वयन तंत्र	35
8.7	टीओए अर्हता का एनएसक्यूएफ संरेखण और अनुमोदन	36
8.8	अर्हता का अंगीकरण	37
8.9	मौजूदा टीओए अर्हताओं का संरेखण	37

8.10	अकलनकर्ता (ओं) के लिए प्रगति पथ	37
8.11	मूल्यांकन करने के लिए डिजीटल उपकरण और तकनीकें : सिमुलेटर, एक्स आर, डिजिटल ट्विन, मेटावर्स, गेमिंग, दिव्यांगों के लिए विशेष उपकरण	38
8.12	मूल्यांकन पद्धतियां, सहायता और उनकी प्रयोज्यता	38
8.13	टीओए प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद मूल्यांकनकर्ता का प्लेसमेंट	39
9.	टीओए कार्यक्रम का कार्यान्वयन	40
9.1	टीओए के लिए अवसंरचना संबंधी अपेक्षाएं	40
9.2	मूल्यांकन करना	41
9.2.1	भावी/ उभरते/ महत्वपूर्ण कौशल क्षेत्र	43
9.2.2	पारंपरिक और विरासतीय (असामान्य) कौशल	43
9.2.3	क्रास सेक्टर/ बहु कौशल क्षेत्र	43
9.2.4	रोजगारपरक कौशल	44
10.	वित्तीय	44
10.1	मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के लिए सांकेतिक पारिश्रमिक/ मानदेय	44
11.	मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं ने पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम और कौशल उन्नयन	44
12.	मूल्यांकन और प्रमाणन	45
12.1	टीओटी प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों का मूल्यांकन : प्रक्रिया, प्रश्न बैंक, कौशल मूल्यांकन परीक्षा, उत्तीर्ण प्रतिशतता	45
12.2	प्रमाणन और प्रमाण पत्र का निर्गमन	45
13.	निगरानी और मूल्यांकन	46
13.1.	गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूए/ क्यूसी	46
14.	विविध	49
14.1	प्रशिक्षक और मूल्यांकनकर्ता की दोहरी भूमिका	49
14.1.1	एक प्रशिक्षक के रूप में मूल्यांकनकर्ता की दोहरी भूमिका	49
14.2	अंतर्राष्ट्रीय अर्हता को मूल्यांकनकर्ताओं के लिए प्रवेश अर्हता के रूप में मानना	49
14.3	उच्चतर एनएसक्यूएफ स्तर के आयोजन के लिए मूल्यांकनकर्ताओं के लिए विचार करना	50
14.4	मूल्यांकनकर्ताओं का सतत व्यावसायिक विकास	50
14.5	अंतर-रेटर विश्वसनीयता	51

डॉ निर्मलजीत सिंह कलसी
आईएएस (सेवानिवृत्त)
अध्यक्ष

राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद्
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
भारत सरकार
चतुर्थ तल, कौशल भवन, चाणक्यपुरी
नई दिल्ली - 110023

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में शिक्षा और कौशल प्रणाली के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मूल्यांकनों पर महत्वपूर्ण रूप से बल दिया गया है। नीति का उद्देश्य रट कर सीखने के बजाय अधिक सर्वांगीण और क्षमता आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर मूल्यांकन करने की व्यवस्था में बदलाव लाना है। इस दिशा में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में नई मूल्यांकन कार्यनीतियों की प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए और शिक्षण के उद्दश्यों तथा परिणामों के साथ मूल्यांकन को संरेखित करने में मूल्यांकनकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया है। मूल्यांकनकर्ता ऐसे मूल्यांकन तैयार करने में सहायक होते हैं, जो नीति में उल्लिखित किए गए शैक्षणिक लक्ष्यों को सटीक रूप से प्रतिबिंबित करते हैं, जिससे सूक्ष्म, व्यापक और शिक्षार्थी पर केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है।

एनसीवीईटी व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल (वीईटीएस) के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि मूल्यांकन प्रक्रियाएं उद्योग की जरूरतों के अनुसार हो, वैश्विक मानकों को पूरा करे और हमारे कार्यबल के रोजगार मे समग्र वृद्धि के लिए योगदान दे। "मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण" दिशानिर्देश इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ये दिशानिर्देश मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए एक रोडमैप है और व्यावसायिक कौशलों का मूल्यांकन करने में सिद्धांतों, कार्यविधियों और सर्वोत्तम प्रथाओं के संबंध में स्पष्ट और संक्षिप्त मार्गनिर्देश प्रदान करते हैं।

दिशानिर्देशों में एक मजबूत और मापनीय मूल्यांकन मॉडल तैयार करने के लिए मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित करने में मानकीकरण के महत्व पर बल दिया गया है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता, कौशल क्षेत्रों में बैचों का मूल्यांकन करने से पूर्व राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ), संरेखित अर्हताओं/ राष्ट्रीय व्यावसायिक मानकों (एनओएस), माइक्रोक्रेडेंशियल पर प्रमाणित हो। यह मानकीकरण कौशल व्यवस्था में मूल्यांकनकर्ताओं के लिए एक समान क्षेत्र प्रदान करने और कौशल प्रमाणित कार्यबल की क्षमता के बारे में नियोक्ताओं में भरोसा पैदा करने के लिए आवश्यक है। अंतर्राष्ट्रीय रुप से उत्तम प्रथाओं के अनुसार, दिशानिर्देशों में मूल्यांकनकर्ताओं के क्षेत्र (डोमेन) और प्लेटफार्म, दोनों कौशलों के लिए जरूरत पर बल देकर शिक्षण के परिणामों और क्षमता आधारित मूल्यांकनों की ओर बदलाव का समर्थन किया गया है। इससे मूल्यांकनकर्ता की योग्यता में और अधिक वृद्धि होगी जिससे शिक्षार्थियों की वास्तविक वैश्विक परिदृश्य में प्रभावी रूप से कार्य करने की योग्यता का मूल्यांकन हो सके।

मूल्यांकनकर्ता शिक्षार्थियों की प्रगति और दक्षता का मूल्यांकन करने के लिए पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में रचनात्मक और यौगात्मक मूल्यांकन, क्विज असाइनमेंट और सिमुलेशन का आयोजन करके शुरू से लेकर अंत तक शिक्षण की प्रक्रिया में एक बहुमुखी भूमिका का निर्वहन करते हैं। मूल्यांकनकर्ता, एक तरह से मूल्यांकन में उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाए रखकर शिक्षार्थियों को उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता करने के लिए रचनात्मक फीडबैक प्रदान करके और पाठ्यक्रम के मध्य सुधार लाकर अपनी संबंधित भूमिका में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।

टीओए दिशानिर्देशों में प्रतिष्ठित और श्रेष्ठ श्रेणी की मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा समर्थित अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं को शामिल किया गया है और मूल्यांकनकर्ताओं को ऐसे मानकों और गुणवत्ता आश्वासन मापदंडों का अनुपालन करने के लिए रोडमैप प्रदान किया गया है। मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण का आयोजन करने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति को पहचानते हुए, दिशानिर्देशों में मूल्यांकनों की दक्षता और सटीकता में वृद्धि के लिए डिजिटल प्लेटफार्म, सिमुलेशन और अन्य नवोन्मेषी विधियों सहित मिश्रित मूल्यांकन उपकरणों और तकनीकों के एकीकरण के लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है। मूल्यांकनकर्ताओं को शिक्षार्थियों के लिए अनुकूल और वैयक्तिक मूल्यांकन अनुभवों का सृजन करने के लिए प्रौद्योगिकीय दृष्टि से इन उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।

चूंकि कौशल का परिदृश्य तेज गति से विकसित हो रहा है, अत: मूल्यांकनकर्ताओं को प्रासंगिक और अद्यतन मूल्यांकन प्रदान करने के लिए परिवर्तनों की जानकारी रहनी चाहिए। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए दिशानिर्देशों में मूल्यांकनकर्ताओं के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के महत्व को भी रेखांकित किया गया है और विशिष्ट क्षेत्रों के मामले में, प्रशिक्षकों के रूप में मूल्यांकनकर्ताओं की दोहरी भूमिका जैसे विभिन्न पहलुओं को स्पष्टता प्रदान की गई है।

मैं उन सभी हितधारकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिन्होंने परामर्शों में सक्रिय रूप से भाग लिया और इस व्यापक नीतिगत दस्तावेज को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि "मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण" दिशानिर्देश व्यावसायिक शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल व्यवस्था में मूल्यांकन करने में निष्पक्षता, परिवर्तनीय, वैधता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देकर कौशल व्यवस्था में एक रेडी रेकनर के रूप में कार्य करेंगे। मैं सभी हितधारकों से दृढ़तापूर्वक आग्रह करता हूं कि वे इन दिशानिर्देशों को तहे दिल से अपनाएँ और पूरी ईमानदारी के साथ उनका कार्यान्वयन करें। इन दिशानिर्देशों को गतिशील कौशल व्यवस्था की उभरती जरूरतों के साथ संरेखित करने के लिए इनमें समय-समय पर संबंधित हितधारकों से प्राप्त रचनात्मक फीडबैक और टिप्पणियों को शामिल किया जा सकता है।

हस्ता./-

(डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी)

आभार

"मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के लिए दिशानिर्देश" के संबंध में यह प्रकाशन कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों और संगठनों के सहयोगात्मक प्रयासों और समर्पण के प्रमाण के रूप में है। सर्वप्रथम हम डॉ. निर्मलजीत सिंह कलसी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिनके उल्लेखनीय मार्गदर्शन और निर्देशन में इन व्यापक दिशानिर्देशों को सफलतापूर्वक तैयार किया गया।

हम डॉ. नीना पाहुजा, कार्यकारी सदस्य और डॉ. विनीता अग्रवाल, कार्यकारी सदस्य तथा एनसीवीईटी के निदेशक कर्नल गुंजन चौधरी के प्रति भी दिशानिर्देशों को तैयार करने में उनकी गहन जानकारी और महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही, हम श्री अमित शर्मा, सलाहकार (ग्रेड II), सुश्री ओजस्वी गोयल, सलाहकार (ग्रेड I), श्री अभिनव मिश्रा सलाहकार (ग्रेड II) और सुश्री प्रज्ञा शर्मा (यंग प्रोफेशनल) के प्रति भी हार्दिक आभार प्रकट करते हैं, जिनके रचनात्मक इनपुट से इस कार्य के संदर्भ और सामग्री को समुचित आकार मिल सका और पर्याप्त जानकारी और परिप्रेक्ष्य का समावेश किया जा सका।

हम कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के प्रति इस परियोजना के दौरान उनके मजबूत समर्थन और प्रोत्साहन के लिए पूर्ण आभार प्रकट करते हैं। हम विभिन्न अवार्डिंग निकायों और मूल्यांकन एजेंसियों के भी ऋणी हैं, जिनका सामूहिक ज्ञान टीओए नीति की बारीकियों के लिए हमारी समझ बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहा।

अंत में हम अनेक औद्योगिक विशेषज्ञों और विषय संबंधी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए व्यावहारिक अनुभव के लिए भी आभार प्रकट करते हैं, जिनकी वास्तविक जानकारी को इन दिशानिर्देशों में व्यावहारिकता के साथ समाविष्ट किया गया, जिसके चलते यह पूरी कौशल व्यवस्था में टीओए प्रथाओं को लागू करने में एक प्रभावकारी उपकरण बना। हम सभी को उनके अमूल्य योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं, जिनके बिना यह प्रकाशन संभव नहीं होता।

एनसीवीईटी

फाइल सं. : 42001/04/2023/एनसीवीईटी
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद्
भारत सरकार

मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के लिए दिशानिर्देश

1. प्रस्तावना

I. राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीवीईटी) को कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा दिनांक 05 दिसंबर, 2018 की राजपत्र अधिसूचना सं. एसडी17/113/2017-ई एंड पीडब्ल्यू के तहत अधिसूचित किया गया है। एनसीवीईटी एक व्यापक कौशल नियामक के रूप में कार्य करती है, जो व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण दीर्घकालिक और अल्पकालिक, दोनों में शामिल निकायों के कामकाज तथा ऐसे निकायों के कामकाज के लिए न्यूनतम मानकों को विनियमित करती है। एनसीवीईटी अनेक हितधारकों को शामिल करते हुए, खंडित नियामक प्रणालियों को एकीकृत करने और समग्र व्यावसायिक प्रशिक्षण वेल्यू चेन में गुणवत्ता आश्वासन प्रदान करने का प्रयास करती है, जिसके मजबूत परिणाम हासिल होते हैं।

II. मूल्यांकन कौशल व्यवस्था का एक आवश्यक और बहुत ही महत्वपूर्ण घटक है। निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन से प्रशिक्षण की विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है और पूरी प्रक्रिया को मान्य करने के लिए शिक्षण की कार्यनीतियों की निगरानी होती है। मूल्यांकनकर्ता एक परादर्शी और निष्पक्ष मूल्यांकन पर नजर रखता है, और मूल्यांकन की रिपोर्ट ऐसी होनी चाहिए कि सक्षम प्राधिकारी स्पष्ट रूप से अपना निर्णय ले सकें कि क्या न्यूनतम मानकों की अपक्षाओं को पूरा किया गया है या नहीं। वास्तव में गुणवत्तापरक मूल्यांकन सीधे तौर पर एक शिक्षार्थी की रोजगार की संभावनाओं को प्रभावित करता है।

III. मूल्यांकनकर्ता पूरी कौशल मूल्यांकन की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करना भी मूल्यांकनकर्ता का कार्य है कि प्रशिक्षु अपनी अर्हताओं को प्राप्त करने के लिए आवश्यक व्यावसायिक मानकों को पूरा करते हैं। मूल्यांकन की गुणवत्ता बड़े पैमाने पर क्षेत्र (डोमेन) के ज्ञान और मूल्यांकनकर्ता की संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं की जानकारी से संबद्ध हो सकती है। एक मूल्यांकनकर्ता, महाविद्यालय, विद्यालय, प्रशिक्षण केन्द्र या कार्यस्थल

के भीतर व्यावसायिक अर्हता के लिए काम करने वाले छात्रों की सहायता और मूल्यांकन करता है।

IV. मूल्यांकन के अत्यधिक महत्व को पहचानते हुए, एनसीवीईटी मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए मूल्यांकनकर्ताओं से प्रशिक्षण दिशानिर्देशों के माध्यम से मूल्यांकनकर्ता के प्रशिक्षण को विनियमित और मानकीकृत करने का प्रयास करती है। मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण (टीओए) व्यावसायिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो एसएसक्यूएफ के साथ संरेखित किसी दिए गए पाठ्यक्रम या रोजगार की भूमिका के लिए छात्रों के अर्हता आधारित मूल्यांकन को पूरा करने के लिए व्यावसायिक कौशल क्षेत्र में मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में कार्य कर सकते हैं।

1.1 वर्तमान स्थिति

i. मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण (टीओए) भारतीय कौशल व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण भाग है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से भारतीय कौशल व्यवस्था के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। दिनांक 15 जुलाई, 2015 को, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई), भारत सरकार ने रोजगार के लिए अग्रणी विभिन्न क्षेत्रों में भारत में कुशल कार्यबल को प्रशिक्षित करने और तैयार करने के लिए "कौशल भारत" मिशन शुरू किया था, लेकिन अभी भी ऐसे सक्षम मूल्यांकनकर्ताओं की भारी कमी है, जो श्रमिकों/ व्यक्तियों के कौशलों की परख/ मूल्यांकन कर सकें।

ii. अतः प्रमाणित मूल्यांकनकर्ताओं की जरूरत पूरी करने के लिए निम्नलिखित के द्वारा समूचे भारत में मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है :

   क) प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के अंतर्गत राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान,

   ख) अवार्डिंग निकाय/ क्षेत्र कौशल परिषदें (एसएससी),

   ग) कौशल विश्वविद्यालय, और

   घ) निजी प्रशिक्षण प्रदाता

iii. टीओए प्रक्रिया से गुणवत्ता केंद्रित मूल्यांकन प्रक्रिया तैयार की गई है। इसने हमें विभिन्न कार्य भूमिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए उद्योगों/ शिक्षाविदों से

सबसे उपयुक्त अभ्यार्थी की पहचान करने में सक्षम बनाया है। इसके अतिरिक्त, इससे विभिन्न रोजगार भूमिकाओं में प्रमाणित मूल्यांकनकर्ताओं का एक पूल तैयार करने में सहायता मिली है। टीओए प्रक्रिया भारत के कौशल विकास के प्रयासों का एक अभिन्न अंग है और इससे देश, इस दिशा में काफी प्रगति करने में सक्षम हुआ है।

1.2. विभिन्न प्रकार की अर्हताओं के लिए टीओए

1.2.1 दीर्घ अवधि के प्रशिक्षण (एलटीटी) के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए

क. "दीर्घ अवधि का प्रशिक्षण (एलटीटी)" शब्द से तात्पर्य एक प्रबंधकीय, वैज्ञानिक या तकनीकी प्रकृति के पूर्णकालिक या अंशकालिक प्रशिक्षण से हैं, जो 01 वर्ष अथवा 01 वर्ष से अधिक समय तक चलते हैं (अर्थात 1200 घंटे या 1200 घंटे से अधिक)। टीओए को एलटीटी के रूप में प्रदान किया जाएगा और इसे मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम के रूप में कहा जा सकता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मूल्यांकनकर्ता/ शिक्षार्थी क्षेत्रगत (डोमेन) कौशल और शैक्षणिक कौशल दोनों पर व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। उन्हें उद्योग द्वारा आवश्यक कुशल कार्यबल का मूल्यांकन करने के लिए तैयार किया जाता है। इस प्रकार का प्रशिक्षण मुख्य रूप से अवार्डिंग निकाय/ दोहरी श्रेणियों तथा मूल्यांकन एजेंसी के मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा प्राप्त किया जाता है।

ख. टीओए प्रक्रिया में प्रशिक्षण पूर्व मूल्यांकन क्रियाकलाप और प्रशिक्षण के बाद के मूल्यांकन क्रियाकलाप शामिल होंगे। प्रशिक्षण से पहले प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए सर्वोत्तम प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित करने के लिए प्रशिक्षुओं के वर्तमान कौशल स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षुओं के प्रदर्शन को मापने और ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मूल्यांकन किया जाता है, जिनमें कि वे सुधार ला सकते हैं। अंत में, प्रशिक्षण पूरा हो जाने के बाद, प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता शिक्षार्थियों का मूल्यांकन करता है और उनके प्रदर्शन पर फीडबैक प्रदान करता है। टीओए से शिक्षार्थियों की क्षमता और भारत में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए, शिल्प

अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) एलटीटी में एक प्रकार का टीओए है, जो प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) द्वारा आयोजित किया जाता है।

1.2.2. अल्प अवधि के प्रशिक्षण (एसटीटी) के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए

क. विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकीय नवोन्मेषों के बढ़ने से आर्थिक प्रणालियों का तेजी से विकास हुआ है। इन परिवर्तनों के साथ ही, कौशल सेटों में बाधा आ रही है और प्रशिक्षण तथा वितरण के तरीके भी तेजी से विकसित हो रहे हैं। इन बदलावों से आई चुनौतियों और हितधारकों तथा अंतिम लाभार्थियों द्वारा नवीन कौशल प्रशिक्षण के लिए बढ़ती संभावनाओं को दूर करने के लिए ऐसे एसटीटी पाठ्यक्रमों का विकास किया गया है, जो 01 वर्ष से कम (1200 शिक्षण के घंटे) अवधि के हैं।

ख. इन एसटीटी बैचों का मूल्यांकन करने के लिए, मूल्यांकनकर्ताओं को आवश्यक अर्हता रखने वाले क्षेत्र के विशेषज्ञों से एक पूल से पूर्व मूल्यांकन करने के बाद हायर किया जा सकता है और उन्हें टीओए कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र (डोमेन) और शैक्षणिक (पेडागोगिकल) कौशलों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षार्थियों/ अभ्यार्थियों/ मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षुओं को मूल्यांकन प्रक्रिया और शैक्षणिक कौशल की ओर उन्मुख करना है।

1.2.3 राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस) और माइक्रोक्रेडेंशियल के संबंध में अर्हताओं के लिए टीओए

क. तेजी से नवोन्मेष में वृद्धि होने से नियमित आधार पर कौशलों में उन्नयन किए जाने की मांग की गई है। ऐसा कौशल उन्नयन या पुनः कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा किया जा सकता है। एनसीवीईटी ने कौशल उन्नयन और पुनः कौशल की सुविधा के लिए स्टेंडअलोन एनओएस/ माइक्रोक्रेडेंशियल को अनुमोदन प्रदान करना आरंभ कर दिया है।

ख. इन स्टेंडअलोन/ एनओएस/ माइक्रोक्रेडेंशियल का मूल्यांकन करने के लिए प्रासंगिक ज्ञान/ अर्हता रखने वाले मौजूदा मूल्यांकनकर्ता एनओएस/ माइक्रोक्रेडेंशियल के आधार पर टीओए कार्यक्रमों में भाग लेकर उन्हें अपग्रेड कर सकते हैं।

1.3. चुनौतियां

i. मूल्यांकनकर्ता के रूप में कार्य करने वाले विषय विशेषज्ञ विभिन्न पृष्ठभूमि और अनुभव से आते हैं। मूल्यांकन क्रियाकलापों को एकरूपता के साथ पूरा करने के लिए कौशल मूल्यांकन से संबद्ध मानकों, कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं पर उन्हें प्रशिक्षित करना और प्रमाणित करना अनिवार्य है।

ii. वर्तमान में, मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के संबंध में, कार्य प्रणाली, प्रविधि प्रयोज्यता- शैक्षणिक कौशल, पुनर्मूल्यांकन अवधि, अनिवार्य एनओएस और वित्तीय के लिए कोई निर्धारित दिशानिर्देश नहीं है। यह गुणवत्ता प्रशिक्षण और मूल्यांकन प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रव्यापी रूप से अनुपालन की जाने वाली कार्यप्रणाली को मानकीकृत किए जाने की जरूरत को दर्शाता है।

1.4. आवश्यकता

i. इन दिशानिर्देशों का उद्देश्य, एक मजबूत मानकीकृत और मापनीय मॉडल बनाना और कौशल व्यवस्था में अपर्याप्त रूप से प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं की चिंताओं का समाधान करने के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया (एसओपी) प्रदान करना है।

ii. मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण (टीओए) शिक्षाविदों व्यावसायिकों और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो एनएसक्यूएफ के साथ संरेखित की गई जॉब भूमिका या दिए गए पाठ्यक्रम के लिए शिक्षार्थियों/छात्रों के सक्षमता आधारित मूल्यांकन को पूरा करने के लिए व्यावसायिक कौशल क्षेत्र में मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में काम कर सकते हैं।

1.5 टीओए में एबी और एए की भूमिका

क्र. सं.	अवार्डिंग निकाय	मूल्यांकन एजेंसी
1	अवार्डिंग निकाय टीओए के लिए एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हताओं के विकास के लिए जिम्मेदार हैं।	मूल्यांकन एजेंसियां टीओए के लिए संभावित अभ्यार्थियों की पहचान और चयन के लिए जिम्मेदार हैं।
2.	अवार्डिंग निकाय टीओए के आयोजन के लिए जिम्मेदार हैं	मूल्यांकन एजेंसियां संगत अर्हताओं के लिए प्रश्न बैंक तैयार करने के लिए जिम्मेदार हैं।
3.	अवार्डिंग निकाय उत्तीर्ण हुए अभ्यार्थियों के लिए मूल्यांकनों के बाद प्रमाणपत्र जारी करने के लिए जिम्मेदार हैं।	मूल्यांकन एजेंसियां प्रशिक्षण के बाद मूल्यांकनों को करने के लिए जिम्मेदार हैं।
4.	अवार्डिंग निकाय सुधार की संभावना के लिए मूल्यांकन के बाद अभ्यार्थियों के साथ फीडबैक साझा करने के लिए जिम्मेदार है।	मूल्यांकन एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होता है कि प्रमाणित मूल्यांकनकर्ताओं को तक्षशिला पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है।

2. दिशानिर्देशों के उद्देश्य और दायरा

2.1. उद्देश्य

मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित अपेक्षाओं को पूरा किया जाएगा :

i. यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के पास कौशल वर्टिकल में बैंच का मूल्यांकन करने से पहले राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) - संरेखित अर्हता/ राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनओएस)/ माइक्रोक्रेडेंशियल (एमसी) के संबंध में प्रमाणपत्र हो।

ii. किसी भी एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए सही अभ्यर्थी या उपयुक्त व्यक्ति के सही प्रोफाइल की पहचान करना।

iii. यह सुनिश्चित करना कि मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन की शैक्षणिक व्यवस्था को समझते हैं और संबद्ध शासन प्रक्रियाओं को भी समझते हैं।

iv. अर्हता, एनओएस और एमसी के साथ संरेखित गुणवत्ता मूल्यांकन सुनिश्चित करना।

v. यह सुनिश्चित करना कि आवश्यकता के अनुसार क्रास सेक्टरल या मल्टी स्किलिंग अर्हता का मूल्यांकन किया गया है।

vi. यह सुनिश्चित करना कि मूल्यांकनकर्ता समय पर मूल्यांकन करते हैं।

vii. कौशल व्यवस्था के सक्षम एनएसक्यूएफ प्रमाणित मूल्यांकनकर्ताओं का एक पूल बनाना

2.2. कार्यक्षेत्र

i. दिशानिर्देश मूल्यांकनकर्ताओं के लिए आवश्यक पात्रता मापदंड और न्यूनतम अर्हता को परिभाषित करते हैं। इसमें छात्रों/ शिक्षार्थियों की प्रक्रियाओं, ज्ञान, परीक्षण और हैंडलिंग कौशल के संदर्भ में अपेक्षित प्रशिक्षण से संबंधित अपेक्षाओं को निर्दिष्ट किया गया है।

ii. मूल्यांकनकर्ताओं से मूल्यांकन के मूल सिद्धांतों, अर्थात निष्पक्षता, लचीलेपन, वैधता और विश्वसनीयता का पालन करने की अपेक्षा की जाती है और वह ऐसे मूल्यांकन उपकरणों को समझते हैं, जिनका कि मूल्यांकन के दौरान उनके द्वारा पालन की जाने वाली प्रक्रिया के भाग के रूप में प्रयोग होता है।

3. प्रॉक्टरों की भूमिका और उत्तरदायित्व

प्रॉक्टर तकनीकी रूप से सक्षम पर्यवेक्षक कार्यकारी होते हैं, जो प्रौद्योगिकी पर तैयारी और सहायता तथा प्रौद्योगिकी सक्षम अवसंरचना अपेक्षाओं को सुनिश्चित करके दस्तावेजी अपेक्षाओं को पूरा करके, मूल्यांकन का निरीक्षण करके और विसंगतियों के मामले में प्राधिकारियों को सचेत करके मूल्यांकन में भाग लेते हैं।

प्रॉक्टरों की उत्तरदायित्व इस प्रकार है :

I. तकनीकी तैयारी: मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी प्रणालियों की तैयारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी मूल्यांकनकर्ता की है। यदि मूल्यांकन कंप्यूटर प्रणाली/ टेबलेट पर किया जा रहा है, तो यह सुनिश्चित करना कि कंप्यूटर प्रणाली/ टेबलेट मूल्यांकन प्लेटफार्म के लिए संगत और कॉन्फिगर किए गए हैं।

II. तकनीकी सहायता: मूल्यांकन के दौरान मूल्यांकन प्लेटफार्म में उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या या प्रश्न को डिबग करना और समस्या का निवारण करना प्रॉक्टर की जिम्मेदारी है।

III. अभ्यार्थी सत्यापन: केवल वास्तविक अभ्यार्थी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पूर्व प्रॉक्टरों को पहचान सत्यापन के लिए अभ्यार्थियों की मूल सरकारी फोटो पहचान पत्र की जांच करनी चाहिए। कुछ मामलों में प्रॉक्टर को योजना दिशानिर्देशों में दिए गए

निदेशों के अनुसार, बायोमेट्रिक उपस्थिति या अन्य साधनों के माध्यम से अभ्यार्थियों की पात्रता जांचने की आवश्यकता पड़ सकती है।

IV. निरीक्षण: प्रॉक्टर मूल्यांकन के आमंत्रण के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि मूल्यांकन के दौरान कोई कदाचार/ धोखाधड़ी नहीं है।

V. उपस्थिति दर्ज करना: जब तक कि योजना दिशानिर्देशों में अन्यथा इंगित नहीं किया गया हो, प्रॉक्टरों को मूल्यांकनकर्ता/ प्रॉक्टर एप पर मूल्यांकन में सही तरीके से प्रदर्शित होने वाले सभी अभ्यार्थियों को चिन्हित करना आवश्यक है।

VI. जियो-टेगिंग: प्रॉक्टरों को अनुपालन मापदंड के रूप में मूल्यांकनकर्ता/प्रॉक्टर ऐप पर मूल्यांकन के स्थान को जियोटेग करना चाहिए।

VII. दस्तावेजीकरण: योजना के अनुसार दस्तावेजीकरण और अनुपालन संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रॉक्टरों की आवश्यकता होती है।

VIII. साक्ष्य संग्रहणः प्रॉक्टरों को आवश्यकता के अनुसार, फोटोग्राफ, वीडियो या किसी अन्य मीडिया को साक्ष्य के रूप में कैप्चर करना चाहिए। इसमें अवसंरचना की उपलब्धता, वीडियो रिकार्डिंग या व्यावहारिक कौशल मूल्यांकन, वाइवा की ऑडियो रिकार्डिंग, सैद्धांतिक परीक्षा के दौरान अनिरंतर छवियों आदि को शामिल किया जा सकता है।

4. मूल्यांकनकर्ताओं की भूमिका और उत्तरदायित्व

मूल्यांकनकर्ता कौशल व्यवस्था के हितधारकों के रूप में प्रत्यक्ष रूप से मूल्यांकन करने और स्कोरिंग करने में शामिल हैं। वे प्रशिक्षकों/ शिक्षकों, प्रशिक्षण केंद्रों और मूल्यांकन एजेंसियों के साथ संपर्क करते हैं। उन्हें अवार्डिंग निकाय (एबी) द्वारा आयोजित एक टीओए कार्यक्रम भी पूरा करना होता है, जिससे वे कौशल व्यवस्था में मूल्यांकन की अपेक्षाओं के साथ संरेखित होते हैं। मूल्यांकन की प्रक्रिया के भाग के रूप में निम्नलिखित चरणों को उपयोग में लाया जा सकता है :

I. <u>अभ्यर्थी अभिमुखीकरण:</u> मूल्यांकनकर्ताओं को मूल्यांकन करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के साथ अभ्यार्थियों को अभिमुखी करना चाहिए, जिससे मूल्यांकन इंजिन इंटरफेस की कार्य क्षमता और अभ्यार्थियों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रिया शामिल है।

II. डोमेन अवसंरचना, उपकरणों, उपस्कर और उपभोज्य वस्तुओं की उपलब्धता: यह सुनिश्चित करें कि मूल्यांकन करते समय अपेक्षित डोमेन अवसंरचना, उपकरण और उपस्कर की जरूरत पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

III. मूल्यांकन करना और स्कोरिंग करना: मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन मार्गदर्शिका में निहित निर्देशों का पालन करके सिद्धांत, मौखिक परीक्षा, व्यावहारिक अर्हता परीक्षा या परियोजनाओं का मूल्यांकन करके प्रत्येक अभ्यार्थी की अर्हता का मूल्यांकन कर सकता है।

IV. निरीक्षण: मूल्यांकनकर्ताओं को यह सुनिश्चित करके मूल्यांकन की सत्यता को बनाए रखना चाहिए कि मूल्यांकन के दौरान कोई कदाचार या धोखाधड़ी न हो।

V. लिखित परीक्षा का निरीक्षण करना: सामान्यतः प्रॉक्टरों द्वारा जांच की जाती है, लेकिन कुछ विशेष मामलों में, यदि संबंधित अवार्डिंग निकाय द्वारा अनुमोदित किया जाता है, तो मूल्यांकनकर्ता भी एक निरीक्षक के रूप में कार्य कर सकता है।

VI. मौखिक परीक्षा आयोजित करना: इसे इन दिशानिर्देशों में परिभाषित पर्याप्त अर्हता और अनुभवों के साथ मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए। यदि मौखिक परीक्षा एक दूरस्थ मूल्यांकनकर्ता द्वारा की जाती है, तो यह एनसीवीईटी द्वारा प्रकाशित मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों में निर्धारित मापदंडों के अनुसार होना चाहिए।

VII. व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करना: इसे इन दिशानिर्देशों में परिभाषित अर्हता और अनुभव के साथ मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए। यदि इस कदम की ऑनलाइन निगरानी की जाती है, तो मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों में निर्धारित मापदंडों का पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन किए जा रहे कौशल के आधार पर, मूल्यांकनकर्ताओं को मूल्यांकन की जा रही अर्हता का ज्ञान होना चाहिए।

VIII. विधिमान्यकरण: अभ्यार्थी की पहचान के किसी भी प्रमाण के साथ उसकी पहचान को क्रॉस सत्यापित करके उसकी पहचान का प्रमाणीकरण और विधिमान्यकरण करना ।

5. मास्टर मूल्यांकनकर्ता की भूमिका और उत्तरदायित्व

I. मास्टर मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के साथ उच्च स्तरीय कौशल का मूल्यांकन करने और मूल्यांकन के दौरान अभ्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले विशिष्ट परिणामों का निरीक्षण और मूल्यांकन करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करने में शामिल होते हैं। मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं से सैद्धांतिक, व्यावहारिक और प्रायोगिक संदर्भ में इस क्षेत्र की पूरी समझ होने

की आशा की जाती है। अतः **मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं को 10 वर्ष के प्रासंगिक अनुभव के साथ स्तर 5.5 (अर्थात स्नातक और उससे अधिक) पर होना चाहिए (अर्थात उद्योग/ शैक्षणिक/ मूल्यांकनकर्ता आदि)।**

II. मूल्यांकनकर्ता का प्रशिक्षण और विकास एक ऐसा उपाय है जिससे कौशल में निरंतर सुधार और परिवर्तन की मांगों की दोहरी चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। मूल्यांकनकर्ताओं की क्षमता निर्माण की एक उभरती हुई चुनौती है। इस प्रकार, मास्टर मूल्यांकनकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका को एक प्रदाता से सहायक, सुविधा प्रदाता और परिवर्तन एजेंट के रूप में पहचानना आवश्यक है, जहां शिक्षार्थी पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

6. प्रॉक्टर, मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के बीच अंतर

प्रॉक्टर	**मूल्यांकनकर्ता**	**मास्टर मूल्यांकनकर्ता**
प्रॉक्टर तकनीकी रूप से सक्षम पर्यवेक्षक होते हैं, जो प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी सक्षम अवसंरचना जरूरतों के संबंध में तैयारी और सहायता सुनिश्चित करके, दस्तावेजी अपेक्षाएं पूरी करके, मूल्यांकन की निगरानी करके और किसी भी विसंगति के मामले में प्राधिकारियों को सचेत करके मूल्यांकन में भाग लेते हैं।	एक अनुभवी और अर्हता प्राप्त व्यावसायिक,जो किसी विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र अथवा कार्यस्थल के भीतर एक व्यावसायिक अर्हता के लिए शिक्षण के परिणामों और प्रदर्शन मापदंडों की सहायता और मूल्यांकन करता है।	मास्टर मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन के दौरान अभ्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले संभावित विशिष्ट परिणामों का निरीक्षण करने और मूल्यांकन करने के लिए उच्चतर स्तर के कौशलों का मूल्यांकन करने में और उन्हें प्रशिक्षित करने में शामिल होते हैं।

7. टीओए: मूल सिद्धांत

7.1. टीओए का पात्र मूल्यांकनकर्ता बनने के लिए अर्हता का स्तर : प्रवेश और अनुभव अपेक्षाएं

एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर	**1, 2 और 2.5 (मामला 1)**	**3, 3.5 और 4 (मामला 2)**	**4.5, 5, 5.5 और 6 (मामला 3)**	**6.5, 7 और 8 (मामला 4)**
एसटीटी और	• पढ़ने लिखने का	• विद्यालयी	• उच्चतर	उच्चतर शिक्षा

एलटीटी अर्हताओं के मूल्यांकन की पूर्ति करना	ज्ञान/ कोई औपचारिक शिक्षा नहीं - एनएसक्यूएफ स्तर 1 और 2 के लिए • विद्यालयी शिक्षा (ग्रेड 9 तक)- एनएसक्यूएफ स्तर 2.5 के लिए	शिक्षा (ग्रेड 10-12)	शिक्षा (यूजी)	एवं अनुसंधान (पीजी और पीएचडी)
मूल्यांकनकर्ता की अपेक्षा	• स्थानीय भाषा का ज्ञान • प्रायोगिक कौशलों का मूल्यांकन करने की योग्यता • मौखिक परीक्षा के आयोजन के लिए कौशल	•कार्य सिद्धांतों और तर्कों की समझ के साथ साथ प्रायोगिक कौशलों का मूल्यांकन •मौखिक •प्लेटफार्म कौशल (यथा लागू)	• वास्तविक जीवन की स्थितियों में संकलनों की निर्णय क्षमताओं और प्रायोगिक अनुप्रयोग के साथ-साथ अर्हता की सैद्धांतिक समझ का मूल्यांकन करना	• मामला 3 की तरह
शासन संबंधी प्रक्रिया	• प्रत्येक मूल्यांकन के जियोटेग के साथ डिजिटल और वीडियो साक्ष्य सहित प्रोक्टर और सहायता की जाएगी।	• मामला 1 की तरह	• मामला 2 की तरह	• मामला 3 की तरह

	• प्रत्येक बैच में अधिकतम 20 से 30 की संख्या में अभ्यार्थी होंगे (क्षेत्र और जॉब भूमिकाओं के आधार पर) • प्रशिक्षण की अवधि में कम से कम 07 दिनों/ 56 घंटों की अवधि (अर्थात क्षेत्रगत कौशलों के लिए 04 दिन + शैक्षणिक कौशलों के लिए 03 दिन + मूल्यांकन के लिए 01 दिन) नए मूल्यांकनकर्ताओं के लिए और 05 दिनों/ 40 घंटों की अवधि (अर्थात 04 दिन क्षेत्रगत कौशलों के लिए + 03 दिन शैक्षणिक कौशलों के लिए + 01 दिन मूल्यांकन के लिए) मौजूदा मूल्यांकनकर्ताओं के लिए होगी।			
मूल्यांकन का	• बुनियादी शिक्षा	• आईटीआई	• वीईटी का	• वीईटी का

फोकस क्षेत्र	अथवा बिना शिक्षा के साथ शिक्षार्थी • वीईटी विषयों के अभिमुखीकरण के साथ बुनियादी स्कूल शिक्षा • व्यापक एसटीटी	व्यवस्था • विशिष्ट वीईटी विषयों के साथ उच्चतर स्कूल शिक्षा • व्यापक एलटीटी	सामान्य शिक्षा में एकीकरण • नए युग के उद्योग कौशल	सामान्य शिक्षा और अनुसंधान में एकीकरण • नए युग के उद्योग की अपेक्षा/ भावी कौशल

7.1.1. मूल्यांकनकर्ता के लिए

मूल्यांकनकर्ता का अर्हता और अनुभव का स्तर : यह व्यापक रूप से एनएसक्यूएफ स्तरों पर आधारित होगा, जिस पर मूल्यांकन किए जा रहे है :

क्र. सं.	**एनएसक्यूएफ स्तर**	**अर्हता और अनुभव**
1	स्तर 1, 2 और 2.5	2 वर्षों के संगत अनुभव के साथ कम से कम एक एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर ऊपर, जिसके साथ में डिजिटल कौशलों और शैक्षणिक कौशलों की समझ ।
2	स्तर 3, 3.5 और 4	कम से कम 3 वर्षों के संगत अनुभव के साथ कम से कम एक और अधिमानतः दो एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर तक, जिसके साथ में डिजिटल कौशलों और शैक्षणिक कौशलों की समझ ।
3	स्तर 4.5, 5, 5.5 और 6	कम से कम 3 वर्षों के संगत अनुभव के साथ कम से कम एक और अधिमानतः दो एनसीआरएफ/ एनएसक्यूएफ स्तर तक, जिसके साथ में डिजिटल कौशलों और शैक्षणिक कौशलों की समझ ।
4	स्तर 6.5, 7 और 8	5 वर्षों के संगत अनुभव के साथ एनएसक्यूएफ स्तर 8, जिसके साथ संगत टीओए प्रमाणन वाले डिजिटल कौशलों और शैक्षणिक कौशलों अथवा मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं की समझ ।

टिप्पणी : एक एनसीआरएफ स्तर ऊपर में 0.5 स्तर ऊपर शामिल है।

7.1.2. मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के लिए

मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं से सैद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों के संदर्भ में क्षेत्र की पूरी समझ होने की आशा की जाती है । अतः मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं को 10 वर्षों के संगत अनुभव (अर्थात उद्योग/ शैक्षिक/ मूल्यांकनकर्ता आदि) के साथ कम से कम स्तर 5.5 (अर्थात स्नातक और अधिक) होना चाहिए।

7.2. मूल्यांकन अपेक्षाएं

i. ऑनलाइन/ मिश्रित मूल्यांकन माध्यम के लिए आईसीटी प्रशिक्षण : अवार्डिंग निकाय यह सुनिश्चित करेगा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में ऑनलाइन अथवा मिश्रित मूल्यांकन माध्यम के लिए अपेक्षित डिजिटल कौशलों पर अनुकूलित सत्र शामिल होंगे।

ii. टीओए कार्यक्रम के ऑनलाइन और फेस-टू-फेस माध्यमों के लिए शैक्षणिक व्यवस्था :

क) विचारों की उत्पत्ति : शिक्षार्थी अपने स्वयं के अनुभवों, विगत ज्ञान और प्रदर्शन के साथ आते हैं और इस प्रकार अपने ज्ञान, विचारों और दृष्टिकोणों के लिए योगदान दे सकते हैं चाहे कक्षा में अथवा ऑनलाइन प्लेटफोर्म पर हो।

ख) विचार मंथन : विचार मंथन अभ्यास विद्यार्थियों को सहजता से सोचने में सहायता कर सकता है, समाधान निकाल सकता है, विचार कर सकता है, दूसरों के विचारों की सराहना कर सकते हैं और केवल शिक्षक के ही विचारों और दृष्टिकोणों को सुनने की बजाय पूरे समूह द्वारा उत्पन्न अनेक विचारों का आनंद ले सकता है।

ग) कंसेप्ट मेपिंग/ माइंड मैपिंग : किसी भी विषय पर मन में संज्ञानात्मक संरचना/ योजना बनाना शिक्षार्थियों के लिए सबसे अच्छा संज्ञानात्मक अभ्यास है। ये शिक्षार्थियों के सभी दृष्टिकोणों से विषय को समझने में मदद करते हैं और शिक्षार्थियों को अपने दम पर संकल्पनाओं से संबंध स्थापित करने में मदद करते हैं।

घ) सृजनात्मक प्रस्तुतीकरणः इंफोग्राफिक्स का उपयोग, शार्ट वीडियो, पॉडकास्ट, स्टोरी क्रिएशन टूल से प्रशिक्षण कार्यक्रम को अधिक दिलचस्प और सार्थक बना सकते हैं।

ड. वास्तविक दुनिया (रीयल वर्ल्ड) के लिए एक्सपोजर : हितधारकों का साक्षात्कार, केस स्टडी, छोटे-छोटे सर्वेक्षण, वेबसाइटों से जानकारी लेना, मूल्यांकन पोर्टल, मूल्यांकनों के लिए मोबाइल एप्लिकेशन आदि शिक्षार्थियों को प्रक्रियाओं को समझने और वास्तविक दुनिया के साथ बातचीत करने में मदद कर सकता है।

च) मामला अध्ययन : विचार उत्तेजक प्रश्नों के साथ मामले का अध्ययन करना और उसके बाद अभ्यास में शिक्षार्थियों के लिए विषय के प्रति अपनी समझ को लागू करना एक बड़ी प्रभावी रणनीति हो सकती है।

छ) सहयोगकारी शिक्षण रणनीतिया : सहयोगकारी शिक्षण रणनीतियां जैसे जिगसॉ, टीम-पेयर-सोलो, फिशबॉल, कार्नर, वन स्ट्रे, पीक्यूसी आदि फेस-टू-फेस मोड में प्रभावकारी सिद्ध हुए हैं। ये रणनीतियां शिक्षण की जिम्मेदारी की भावना, एक दूसरे पर निर्भरता, टीम के साथ काम करने, तार्किक और विश्लेषणात्मक सोच विकसित करने में मदद करती है और प्रशिक्षण सार्थक रूप से शिक्षण प्रक्रिया में सभी शिक्षार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

iii. प्रमाणित मास्टर मूल्यांकनकर्ता की उपलब्धता : टीओए का आयोजन करने वाले अवार्डिंग निकाय यह सुनिश्चित करेंगे कि पर्याप्त संख्या में मास्टर मूल्यांकनकर्ता क्षेत्र और मूल्यांकन कौशल पर प्रशिक्षित और प्रमाणित हों। इस प्रकार से, आवार्डिंग निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पर्याप्त संख्या में मूल्यांकनकर्ता उनके साथ सूचीबद्ध हैं।

iv. मानकीकृत सामग्री की उपलब्धता : टीओए कार्यक्रम आयोजित करते समय, अवार्डिंग निकाय यह सुनिश्चित करेंगे की अभ्यार्थियों को निम्नलिखित पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान की गई है :

क) कार्यक्रम अनुसूची

ख) शिक्षार्थी हैंडबुक

ग) अनुदेशक (फेसिलिटेटर) गाइड (अर्थात मूल्यांकनकर्ता, प्रॉक्टर आदि)

v. मूल्यांकनों को व्यापक रूप से निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है :

क्र. सं.	मूल्यांकन पद्धतियां	क एनएसक्यूएफ स्तर 1.0, 2.0 और 2.5	ख (एनएसक्यूएफ स्तर 3.0 और 4.0)	ग (एनएसक्यूएफ स्तर 4.5 से 8.0)
1	नैदानिक मूल्यांकन	निम्न	मध्यम	उच्च
2	रचनात्मक मूल्यांकन (डिजिटल फ्लेटफार्म)	उच्च	उच्च	उच्च
3	योगात्मक मूल्यांकन	निम्न	उच्च	उच्च
4	इप्सेटिव मूल्यांकन	निम्न	मध्यम	मध्यम
5	मानक-संदर्भित मूल्यांकन	निम्न	मध्यम	उच्च
6	मानदंड-संदर्भित मूल्यांकन	उच्च	उच्च	मध्यम
7	पीयर-टू-पीयर संदर्भ मूल्यांकन	मध्यम	मध्यम	मध्यम
8	प्रभावकारिता का उद्योग सत्यापन	निम्न	मध्यम	उच्च
9	शीर्षक (रुब्रिक)	उच्च	मध्यम	मध्यम
10	पोर्टफोलियो और ई-पोर्टफोलियो	निम्न	मध्यम	उच्च
11	संरचित साक्षात्कार	निम्न	मध्यम	उच्च
12	छात्र अनुभव सर्वेक्षण	निम्न	मध्यम	मध्यम

इन मूल्यांकनों की पद्धतियों का ब्यौरा वेबसाइट (https://ncvet.gov.in/wp-content/uploads/2023/01/Guidelines-for-Blended-learning-for-Vocational-Education-Training-Skilling.pdf) पर उपलब्ध मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देश में प्रदान किया गया है।

7.3 टीओए के लिए संभावित अभ्यर्थी

i. पेशेवर उद्योग व्यावसायिक

ii. सेवानिवृत्त उद्योग व्यावसायिक

iii. अनुदेशकों को छोड़कर सेवानिवृत्त रक्षा/ पुलिस कार्मिक

iv. पेशेवर या सेवनिवृत्त

v. पेशेवर प्रोफेसर/ एसोसिएट प्रोफेसर/ सहायक प्रोफेसर

vi. संगत एनएसक्यूएफ अर्हता और अनुभव रखने वाले के साथ शिक्षार्थी

vii. संगत शैक्षणिक अर्हता और अनुभव रखने वाले शिक्षार्थी

टिप्पणी : अभ्यर्थियों के लिए टीओए इन दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।

7.4. मूल्यांकन का तरीका

मूल्यांकन	सैद्धांतिक	**<u>ऑनलाइन (सिस्टम संचालित) :</u>** ऑनलाइन मूल्यांकन करने के लिए, एआई आधारित प्रोक्टरिंग और मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों को ऐसे ऑनलाइन (सिस्टम संचालित) मूल्यांकनों की जरूरत नहीं है। इस प्रकार के मूल्यांकनों को अधिमानतः आईटी आधारित मूल्यांकनों के लिए किया जाएगा।
		<u>ऑफलाइन (मैनुअल) :</u> ऐसी प्रक्रियाओं में मैनुअल प्रॉक्टरिंग और मूल्यांकन किया जाना है। मूल्यांकनकर्ता को क्षेत्र (डोमेन) की समझ होनी चाहिए।
	मौखिक	**<u>ऑनलाइन (वीडियो कांफ्रेंसिंग) :</u>** मूल्यांकनकर्ता को क्षेत्र (डोमेन और प्लेटफार्म कौशलों की समझ होनी चाहिए। यह प्रक्रिया जियो टेग और वीडियो रिकॉर्ड की जा सकती है ताकि निर्णायक मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। ऐसी प्रक्रियाओं के लिए एआई आधारित प्रॉक्टरिंग की जानी है।
		<u>ऑफलाइन (मैनुअल) :</u> ऐसी प्रक्रियों में मैनुअल प्रॉक्टरिगं और मूल्यांकन किया जाना है। मूल्यांकनकर्ता को क्षेत्र (डोमेन) की समझ होनी चाहिए।
	हैंड्स ऑफ/ प्रायोगिक	**<u>ऑनलाइन (सिस्टम संचालित) :</u>** मूल्यांकनकर्ता को क्षेत्र (डोमेन) और प्लेटफार्म कौशलों की समझ होनी चाहिए। यह प्रक्रिया जियो टेग और वीडियो रिकार्ड की जा सकती है ताकि निर्णायक मूल्यांकन हो सके। ऐसी युक्तियों के लिए एआई आधारित प्रॉक्टरिंग की जानी चाहिए।
		<u>ऑफलाइन (मैनुअल) :</u> ऐसी प्रक्रियों में, मैनुअल प्रॉक्टरिंग और मूल्यांकन किया जाना चाहिए। मूल्यांकनकर्ता को क्षेत्र (डोमेन) की समझ होनी चाहिए।

8. टीओए व्यवस्था/ प्रक्रिया अनिवार्यता

8.1. टीओए कार्यनीति

i. **आवश्यकता मूल्यांकन करना :** पहला कदम संबंधित अर्हताओं में मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण की वर्तमान स्थिति को समझने के लिए एक आवश्यकता मूल्यांकन करना होगा। इसमें सिस्टम में वर्तमान में काम करने वाले मूल्यांकनकर्ताओं की संख्या, उनकी अर्हता, कौशल और ज्ञान तथा मूल्यांकन करने में उनके समझ आने वाली चुनौतियों के संबंध में डेटा एकत्र करना शामिल होगा।

ii. **कमियों और चुनौतियों की पहचान करना :** आवश्यकता के मूल्यांकन के आधार पर, वर्तमान प्रणाली में कमियों और चुनौतियों की पहचान करने की आवश्यकता है। इसमें मूल्यांकन प्रक्रिया के मानकीकरण और गुणवत्ता आश्वासन को सुनिश्चित करने में मूल्यांकनकर्ता अर्हताओं, कौशल और ज्ञान में कमियों तथा चुनौतियां शामिल होगी।

iii. **मूल्यांकनकर्ताओं के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना :** पहचानी गई कमियों और चुनौतियों के आधार पर, मूल्यांकनकर्ताओं के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम की पहचान करने की जरूरत है। इसमें सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण, दोनों शामिल होंगे, जिनमें मूल्यांकन पद्धति, मानकीकरण, गुणवत्ता आश्वासन और रोजगार कौशल जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा।

iv. **उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग :** यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रासंगिक है और उद्योग मानकों के साथ अद्यतन है, अर्हता और मूल्यांकन प्रक्रिया विकसित करते समय उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करना महत्वपूर्ण होगा। इसमें विशिष्ट क्षेत्रों में मूल्यांकनकर्ताओं के लिए अपेक्षित कौशल और ज्ञान की पहचान करने तथा उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित करने के लिए उद्योग संघों और विशेषज्ञों के साथ काम करना शामिल होगा।

v. **निगरानी और मूल्यांकन :** निरंतर आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावकारिता की निगरानी और मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण होगा। इसमें छात्रों, मूल्यांकनकर्ताओं और नियोक्ताओं से मूल्यांकन की गुणवत्ता पर फीडबैक लेना तथा आवश्यकता के अनुसार मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रमाणन प्रक्रिया में समायोजन करना शामिल होगा।

8.2 प्रोसेस फ्लो:

टीओए के लिए एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हता	शिक्षण के संसाधनों की उपलब्धता • अर्हता फाइल • पाठ्यचार्य • प्रतिभागी हैंडबुक • सहायक डिजिडल सामग्री	
टीओए कार्यान्वयन योजना	• टीओए के लिए मूल्यांकनकर्ताओं की कुल संख्या का अनुमान • टीओए कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण कलेंडर तैयार करना • टीओए कार्यक्रम के लिए औद्योगिक विशेषज्ञों / विषय संबंधी विशेषज्ञों/ मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं की ऑनवोर्डिंग • अर्हता के अनुसार एक प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना (टीडीपी) विकसित करना • प्रश्न बैंकों की तैयारी	
	• टीओए कार्यक्रम के बारे में जागरूकता पैदा करना • टीपी/ टीसी/ एए/ एबी द्वारा अभ्यर्थी जुटाना अथवा आकांक्षा व्यक्तियों द्वारा स्व-रोजगार • उपयुक्त अभ्यर्थियों की जांच और छंटनी • टीओए कार्यक्रम आयोजित करना	
डोमेन और प्लेटफार्म कौशलों पर मूल्यांकन	अनुत्तीर्ण	कौशल अन्तराल प्रशिक्षण/ मूल्यांकन
उत्तीर्ण	**प्रमाणित मूल्यांकनकर्ता**	**उत्तीर्ण**

8.3. टीओए फ्रेमवर्क

मूल्यांकनकर्ता दिशानिर्देशों का प्रशिक्षण संभावित मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है ताकि वे शिक्षार्थियों को गुणवत्ता मूल्यांकन प्रदान कर सकें। मूल्यांकनकर्ताओं से न केवल अपने विषय क्षेत्रों में अत्यधिक सक्षम होने की आशा की जाती है बल्कि उन्हें शिक्षण के तरीकों और आवश्यक औद्योगिक अनुभव के बारे मे भी पर्याप्त ज्ञान होता है।

8.3.1 अर्हता डिजाइन

एक मानक टीओए अर्हता विकसित किए जाने की जरूरत है, जिसे प्रत्येक इच्छुक मूल्यांकनकर्ता को एक मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षक के रूप में प्रमाणित करने और एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में भर्ती के लिए पात्रता स्थापित करने के लिए अनिवार्य रूप से गुजरना ही होगा। तदनुसार, टीओए अर्हता में दो भाग शामिल होंगे - क्रमशः क्षेत्रगत(डोमेन) कौशल और शैक्षणिक (पेडागोगिकल) कौशल :

टीओए अर्हता = डोमेन कौशलों पर अर्हता + शैक्षणिक कौशलों पर अर्हता

अतः एक विशिष्ट क्षेत्र/ उप क्षेत्र/ जॉब भूमिका में एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में पात्रता स्थापित करने वाली एक पूर्ण टीओए अर्हता में उपरोक्त दोनों अर्हताओं अर्थात एक शैक्षणिक कौशलों के लिए और दूसरी क्षेत्रगत कौशलों के लिए, पूर्णता और प्रमाणन अपेक्षित होगा।

क. **संरचना :** इस प्रकार टीओए कार्यक्रम में दो घटक हैं और प्रत्येक निम्नलिखित अर्हता विकसित की जानी है :

1. **क्षेत्रगत (डोमेन) कौशल (डीएस) :** क्षेत्रगत कौशल एक विशिष्ट क्षेत्र अथवा उप क्षेत्र अथवा जॉब भूमिका के लिए आवश्यक कौशलों के संदर्भ में है। यह एक विशिष्ट उद्योग अथवा गतिविधि से संबंधित कौशलों के संदर्भ में है।

2. **शैक्षणिक कौशल (पीएस) :** शैक्षणिक कौशल क्षमता शिक्षण प्रबंधन में मूल्यांकनकर्ता की योग्यता है, जिसमें एक कौशल शिक्षण कार्यक्रम की योजना, शिक्षण प्रक्रिया में प्रभावित करने अथवा प्रबंधन की योग्यता और एक मूल्यांकन पूरा करने की योग्यता शामिल है। ये सामान्य प्रशिक्षण कौशल है, जिनका प्रयोग क्षेत्रों/ उप क्षेत्रों में किया जा सकता है। इनमें दृष्टिकोण, विधियां, तकनीकें, सहायता, उपकरण और संसाधन जैसे प्रमुख घटकों के साथ व्यावसायिक शिक्षा शामिल होगी। शैक्षणिक कौशलों में छात्र के शिक्षण के सामान्य और विषय संबंधी ज्ञान दोनों में प्रारंभिक शिक्षा और शिक्षण की योजना बनाने, शुरुआत करने, मार्गदर्शन करने और विकास करने की क्षमता शामिल है। शैक्षणिक

कौशलों में पसंदीदा विषय में उच्च स्तरीय कौशलों को शिक्षण के लिए शिक्षण से जुड़ने के लिए क्षमता शामिल है।

ख. अर्हताओं का विकास : डीएस और पीएस के संबंध में अर्हताएं निम्नलिखित तरीके से विकसित की जाएगी :

1. क्षेत्रगत कौशल : टीओए की वर्तमान प्रणाली में मूल्यांकनकर्ताओं की जरूरत होती है, जो ऐसी प्रत्येक अर्हता में प्रमाणित हो, जिसके लिए वह एक मूल्यांकनकर्ता बनेगा। इसमें शामिल है :

क. सीमित टीओए अर्हताएं, जो बहुत ही कम जॉब भूमिकाओं में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।

ख. विविध डीओए अर्हताएं, जिनकी एक समय के बाद एक मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षक के लिए जरूरत पड़ती है।

ग. एक मूल्यांकनकर्ता के लिए सीमित अवसर

घ. प्रशिक्षित प्रशिक्षकों का अभाव।

ड. अतिरिक्त लागत।

वर्तमान में अर्हताएं 13 एनएसक्यूएफ स्तरों में शामिल हैं (1 से स्तर 8) जो जॉब बाजार में अपेक्षित विभिन्न प्रकार की कौशल क्षमताओं की पूर्ति करती हैं। उपरोक्त चुनौतियों के समाधान के लिए, एक डीएस अहर्ता को इस तरीके से तैयार किया जाना चाहिए कि वे ऐसे मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षित करें, जो विविध संबद्ध अर्हताओं में शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण देने में सक्षम हो। इस प्रकार से, एक एबी के पास विविध अर्हताएं एक साथ होनी चाहिए और एक डीएस अर्हता विकसित करते समय इसी प्रकार की अर्हताओं को क्लब करना होगा। यह "बॉस्केटिंग" पर आधारित हो सकती है।

क. विशेष स्तरों पर समान अर्हताएं

ख. समान उप क्षेत्र अथवा व्यवसाय से संबंधित विविध स्तरों पर समान अर्हताएं

ग. एबी द्वारा दिए गए सुझाव और एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित की गई कोई अन्य क्रियाविधि।

2. **शैक्षणिक कौशल :** चूंकि वीटीएस अर्हताएं विभिन्न स्तरों में प्रयोग होती है, अतः एक समान शैक्षणिक कौशल योग्यता तैयार करने से प्रशिक्षण व्यवस्था की जरूरत पूरी नहीं होगी। अतः यह प्रस्ताव है कि विभिन्न अपेक्षाओं को पूरा करने वाली दो अर्हताएं तैयार की जाए, जो इस प्रकार हों :

एनएसक्यूएफ स्तर	**प्लेटफार्म कौशलों के लिए अर्हता का विकास**
स्तर 4.0 तक	अर्हता क
स्तर 4.5 - 6.0	अर्हता ख
स्तर 6.5 - 8.0	अर्हता ग

शैक्षणिक कौशलों पर अर्हताओं में रोजगारपरक कौशलों पर प्रशिक्षण भी शामिल होगा।

ग. अर्हताओं का विकास :

1. **क्षेत्रगत कौशल अर्हताए :** संबंधित अवार्डिंग निकाय से अपेक्षा है कि वे अपनी अपेक्षाओं के अनुसार क्षेत्रगत कौशल अर्हताएं विकसित करें। क्षेत्रगत कौशल (डीएस) अर्हताओं के विकास के लिए, संबंधित एबी उपरोक्त पैरा 6.3.1 (ख) में यथा उल्लिखित अर्हताओं की "बास्केटिंग" करेंगे।

2. **शैक्षणिक कौशल अर्हताए :** शैक्षणिक कौशल (पीएस) अर्हताएं अधिकांशत: सामान्य प्रकृति की होती हैं और उन्हें प्रयोज्यता के अनुसार क्षेत्रों और उप क्षेत्रों में प्रयोग में लाया जा सकता है। अतः यह विवेकपूर्ण है कि ऐसी योग्यताएं एबी द्वारा विकसित की जाएं, जिनके पास व्यावसायिक शिक्षा में विशिष्ट ज्ञान हो। अन्य एबी अर्हताओं के अंगीकरण के लिए एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के अनुसार ऐसी पीएस अर्हताओं को अपना सकते हैं। इससे प्रयासों में दोहरापन दूर होगा और संसाधनों की बचत होगी। एनसीवीईटी दिशानिर्देशों में एबी की घरेलू जरूरतों की पूर्ति के लिए अर्हताओं में संशोधन के लिए छूट का भी प्रावधान है।

8.4. टीओए कार्यक्रम का विकास

यह प्रस्ताव किया जाता है कि अवार्डिंग निकाय टीओए के लिए अंगीकृत की जाने वाली प्रशिक्षण प्रक्रियाओं के लिए अर्हताएं तैयार करें।

पाठ्यक्रम सामग्री : टीओए की पाठ्यक्रम सामग्री में मूल्यांकन करने में अभ्यार्थियों को व्यवहारिक अनुभव देने के लिए सैद्धान्तिक और प्रायोगिक घटक शामिल होंगे :

i. <u>सैद्धांतिक घटक :</u>

क. राष्ट्रीय कौशल अर्हता फ्रेमवर्क का परिचय

ख. मूल्यांकनकर्ता का व्यावसायिक आचरण

ग. क्षमता आधारित मूल्यांकन का परिचय

घ. क्षमता के मूल्यांकन के लिए तैयारी

ड. शासन प्रक्रिया और मूल्यांकनकर्ताओं से अपेक्षाएं

च. क्षमता आधारित मूल्यांकन का विकास

छ. मूल्यांकन का दस्तावेज और मूल्यांकन की मान्यता की संबद्ध प्रक्रिया

ज. ज्ञान और कौशलों का मूल्यांकन

झ. मूल्यांकन के दौरान पेशेवर व्यवहार का मूल्यांकन

ञ. स्वास्थ्य के अनुप्रयोग और शारीरिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को संभालने, अनुरूपी सुरक्षा प्रक्रियाओं का ज्ञान

ट. सतत पेशेवर विकास

ठ. कोई अन्य, जिसे आवश्यक समझा जाए

ii. <u>प्रायोगिक घटक</u> :

क. सैद्धांतिक मूल्यांकन योजनाओं का निर्माण और निष्पादन करना (बहु कौशल और / अथवा क्रास सेक्टर कौशल तथा/ अथवा भावी कौशलों सहित)

8.4.1 मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रम का सिंहावलोकन

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की क्षमता को 5 प्रमुख माड्यूल में विभाजित किया गया है। अवार्डिंग निकायों को कार्यक्रम में निम्नलिखित प्रस्तावित माड्यूलों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है :

क्र. सं.	**माड्यूल**
1	मूल्यांकन प्रक्रिया की आयोजना
2	मूल्यांकन क्षमता
3	मूल्यांकन उपकरणों का उपयोग विकसित करना
4	रोजगारपरक कौशल
5	मूल्यांकन की समीक्षा और सत्यापन करना

प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए टीओए कार्यक्रम के भीतर प्रदान की जाने वाली वितरण रणनीति अनिवार्य है। तथापि, संबंधित एबी आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त माड्यूल जोड़ सकता है। नीचे सूचीबद्ध मूल्यांकन गतिविधियों का उपयोग टीओए कार्यक्रम के लिए दक्षताओं को मापने के लिए किया जाएगा इन गतिविधियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के दौरान पूरा करना अपेक्षित है। तथापि, ऐसी स्थिति में कि जहां समय की सीमाएं हैं, कुछ गतिविधियों को पाठ्यक्रम के बाद पूरा किए जाने की जरूरत हो सकती है।

		मूल्यांकन कार्य			
क्षमता	माड्यूल	मूल्यांकन टूल का उपयोग (गतिविधि क)	सैद्धांतिक/ मौखिक (गतिविधि ख)	प्रायोगिक /हैंड्स ऑन मूल्यांकन (गतिविधि ग)	मूल्यांकन प्रक्रिया की समीक्षा (गतिविधि घ)
मूल्यांकन टूल का विकास	मूल्यांकन टूल का विकास करना	✓			
मूल्यांकन प्रक्रिया की योजना और आयोजन	मूल्यांकन प्रक्रिया की योजना बनाना			✓	
एक अभ्यर्थी की क्षमता का मूल्यांकन	क्षमता का मूल्यांकन करना		✓	✓	

मजबूत सॉफ्ट कौशलों का प्रदर्शन	रोजगारपरक कौशल		✓		
एक मूल्यांकन प्रक्रिया की समीक्षा और सत्यापन	मूल्यांकन की समीक्षा और सत्यापन करना		✓	✓	✓

8.4.2. एकत्र किए जाने वाले साक्ष्य सहित मूल्यांकन कार्यों का सिंहावलोकन

क. <u>मूल्यांकन गतिविधि क :</u> योग्यता/ माड्यूल के लिए एक मूल्यांकन टूल विकसित करना अथवा उपयोग करना। इस गतिविधि में अभ्यर्थी एक ऐसे मौजूदा मूल्यांकन टूल का विकास या उपयोग करेंगे, जिसका उपयोग किसी व्यक्ति या समूह के प्रायोगिक मूल्यांकन के लिए किया जा सकेगा। अभ्यर्थियों को अनुदेशों का एक सेट अथवा अभ्यार्थी और मूल्यांकनकर्ता के साथ-साथ जांच सूची के लिए प्रश्न बैंक विकसित किए जाने की जरूरत होगी। टूल में निम्नलिखित को शामिल किए जाने की आवश्यकता हैः

1. मूल्यांकन कार्य और इसके प्रयोजन के बारे में एक स्पष्टीकरण
2. अभ्यर्थी के लिए और इस संबंध में अनुदेश की उन्हें क्या करने की जरूरत है।
3. मूल्यांकन की शर्तें
4. प्रश्न के प्रकारों और कठिनाई के स्तर सहित मूल्यांकन व्यवस्थाएं।
5. कोई विशेष आवश्यकता, उपकरण अथवा अपेक्षा
6. मूल्यांकन मापदंड के साथ एक जांच सूची (चैकलिस्ट)
7. ऐसे साक्ष्य, जिसे दिखाए जाने की जरूरत है।
8. अभ्यर्थियों के लिए स्थान और नाम, हस्ताक्षर तथा तिथियां

9. टिप्पणियों के लिए स्थान और मूल्यांकन परिणाम की रिकार्डिंग

10. संबद्ध शासन प्रक्रिया और वीडियो साक्ष्य एकत्रण की प्रक्रिया

ख. <u>मूल्यांकन गतिविधि ख :</u> अपेक्षित सॉफ्ट कौशलों का प्रदर्शन इस गतिविधि में, मूल्यांकनकर्ता को ऐसे सशक्त सॉफ्ट कौशलों को प्रदर्शित किए जाने की जरूरत है, जिसकी व्यक्तिगत अथवा समूह मूल्यांकन को संभालने की जरूरत होगी। अभ्यर्थियों को दिशानिर्देशों के आधार पर कौशल के एनसीआरएफ स्तर के तहत रोजगारपरक कौशलों के कुछ घंटों का प्रशिक्षण लेना आवश्यक होगा।

ग. <u>मूल्यांकन गतिविधि ग :</u> योग्यता माड्यूलों के लिए प्रायोगिक/ हैंड्स मूल्यांकन/ सिमुलेशन/ मौखिक/ यह मूल्यांकन कार्य किसी व्यक्ति विशेष अथवा व्यक्तियों के समूह का मूल्यांकन करने के लिए अभ्यर्थी की प्रायोगिक योग्यता का मूल्यांकन करने पर केंद्रित है। यह कार्य एक शिक्षण और एक मूल्यांकन टूल दोनों के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस मूल्यांकन गतिविधि में अभ्यर्थी एक प्रायोगिक मूल्यांकन स्थिति को सिमुलेट करेंगे।

घ. <u>मूल्यांकन गतिविधि घ :</u> मूल्यांकन प्रक्रियाओं एबी द्वारा परिभाषित मानकों के अनुसार मूल्यांकन की समीक्षा के लिए योग्यताओं का प्रदर्शन करना अपेक्षित होगा।

8.5 क्षेत्रगत (डोमेन) और प्लेटफार्म कौशलों के लिए अवधि

टीओए मॉडल की संरचना		
	मॉडल 1 : नया मूल्यांकनकर्ता	**मॉडल 2 : मौजूदा मूल्यांकनकर्ता**
मूल्यांकन अनुभव	नए मूल्यांकनकर्ता को संगत अर्हताओं के लिए एबी द्वारा निर्धारित किए गए मानदंड के साथ-साथ इन दिशानिर्देशों में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करना चाहिए।	संबंधित एबी द्वारा निर्धारित किए गए अन्य पत्रता मानदंडों के साथ-साथ कम से कम 5 बैचों अथवा कम से कम 100 छात्रों का अनुभव हो।
अभिमुखीकरण	नए मूल्यांकनकर्ताओं के लिए व्यवस्था के साथ अच्छी तरह से अनुभव कराने के लिए अभिमुखीकरण किया जाएगा।	अनिवार्य नहीं।
कौशल	1. क्षेत्रगत (डोमेन) कौशल	1. क्षेत्रगत (डोमेन) (अद्यतन, यदि कोई

	2. शैक्षणिक कौशल 3. सॉफ्ट कौशल (मूल्यांकन किए जा रहे छात्रों का व्यवहार)	हो) 2. शैक्षणिक कौशल (अद्यतन, यदि की हो) 3. सॉफ्ट कौशल (मूल्यांकन किए जा रहे छात्रों का व्यवहार)
अवधि	न्यूनतम 07 दिन (अर्थात 04 दिन डोमेन कौशल + 03 दिन शैक्षणिक कौशल + 01 दिन मूल्यांकन के लिए)	न्यूनतम 05 दिन (अर्थात 04 दिन डोमेन कौशल + 01 दिन मूल्यांकन के लिए)

मूल्यांकन प्रक्रिया, मूल्यांकन, अंतिम जांच और मूल्यांकन टूल, जिन पर मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षण दिए जाने की जरूरत है।

i. ऑफलाइन मूल्यांकन और जांच के बाद परिणाम तैयार करने और अपलोड करने की प्रक्रिया/ शिक्षण के मूल्यांकन आम तौर पर ग्रेड आधारित होते हैं, और इसमें कक्षा, परीक्षण, प्रश्नोत्तरी, लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा, पोर्टफोलियो, अन्तिम परियोजनाएं और मानकीकृत परीक्षण, पुष्टिकारक मूल्यांकन शामिल हो सकते हैं।

ii. शिक्षण के परिणामों की जांच करने के लिए निर्मित सतत/ प्रारूपक/ सारांश मूल्यांकन के साथ एलएमएस आधारित प्रॉक्टर सामग्री के मामले में, यह सुझाव दिया जाता है कि अंतर प्रचालनीयता के लिए एससीओआरएम अनुपालन सामग्री तैयार करने क साथ एक ओपन सोर्स एलएमएस उत्पाद का उपयोग करें।

iii. ऑनलाइन प्रश्न बैंक : बहु विकल्प, पिक्टोग्राफिक इंफ्रेंशियल, मेचिंग, सीक्वेंस हॉट स्पॉट, सही/ गलत, खाली स्थान भरना, फाइल अपलोड करना और निबंध/ प्रश्नों को आगे आसान, माध्यम और कठिन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

iv. समूह परीक्षा और संबद्ध प्रक्रिया

v. ऑन-डिमांड परीक्षाओं के मामले में, प्रक्रियाएं इसके साथ संबद्ध होनी चाहिए।

vi. छात्रों के आकर्षण के लिए, विषय की समझ और एसिमिलेशन के लिए प्रयुक्त अंतर्निहित नियंत्रण के साथ मूल्यांकन टूल का प्रयोग।

vii. शिक्षण के परिणामों के लिए जांचने की सुविधा के साथ मूल्यांकन इंजिन का उपयोग।

viii. प्रॉक्टर की गई ओपन बुक परीक्षा; ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन, यदि लागू हो, की आयोजन की प्रक्रिया।

ix. छोटे/बड़े परियोजना कार्य का निष्पादन और मूल्यांकन, यदि लागू हो।

x. यदि ऑफलाइन, ऑनलाइन है, तो मौखिक और उससे संबद्ध प्रक्रियाएं।

xi. ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों के लिए साक्षात्कार प्रक्रिया का मूल्यांकन

xii. अंतर्निहित नियंत्रण, बायोमेट्रिक, सुरक्षा, मूल्यांकन आदि के साथ आनलाइन प्रॉक्टर

xiii. अंतर्निहित नियंत्रणों, बायोमेट्रिक, सुरक्षा, मूल्यांकन आदि के साथ जांच

xiv. एआर/ वीआर/ एक्स आर, यदि इसका उपयोग मूल्यांकनों के लिए किया जाएगा।

xv. किसी भी दिव्यांगता वाले छात्रों के संबंध में विशेष टूल, यदि कोई हो।

xvi. प्रश्न पत्र को विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का यादृच्छिक संग्रह किया जा सकता है।

8.6 अर्हता कार्यान्वयन तंत्र

एक शिक्षार्थी को प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ता के रूप में अर्हता प्राप्त करने में सक्षम होने के लिए क्षेत्रगत (डोमेन) कौशल (डीएस) और प्लेटफार्म कौशल (पीएस) दोनों अर्हताओं में प्रशिक्षण लेना आवश्यक है। चूंकि डीएस और पीएस अर्हताएं विभिन्न एबी द्वारा विकसित की जाएगी, कार्यान्वयन के विभिन्न मॉडल हो सकते हैं, जैसा कि नीचे दिया गया हैः

i. डीएस और पीसएस अर्हताओं को अलग से लागू किया जाता है : इस मॉडल के तहत संबंधित एबी अपने प्रशिक्षण कलेंडर के अनुसार, इन अर्हताओं में अलग से और स्वतंत्र रूप से प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। एक शिक्षार्थी भी इन अर्हताओं में अलग से प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। एक शिक्षार्थी के पास समय के विभिन्न अन्तराल पर प्रशिक्षण लेने का लचीलापन होगा और उसे शुरू की जा रही प्रत्येक अर्हता की पात्रता अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। तथापि, टीओए अर्हता को तभी पूरा माना जाएगा, जब शिक्षार्थी डीएस और पीएस दोनों अर्हताओं से प्रमाणित हो।

ii. डीएस और पीएस अर्हताओं को संयुक्त रूप से लागू किया जाता है : इस मॉडल के तहत, डीएस और पीएस दोनों अर्हताओं को एक साथ जोड़ा जाता है और प्रशिक्षण को एकल अर्हता के रूप में प्रदान किया जाता है। एक शिक्षार्थी चीजों की एक ही योजना के

तहत अपेक्षित प्रशिक्षण को पूरा करता है और अलग-अलग बिन्दुओं पर अलग-अलग एबी से समय पर संपर्क करने की जरूरत नहीं है। इस मॉडल का सामान्यतः दीर्घकालिक प्रशिक्षण व्यवस्था में पालन किया जाता है। डीएस और पीएस अर्हता के संयुक्त कार्यान्वयन के लिए निम्नलिखित लॉडल लागू होंगे :

क. सहयोग : डीएस और पीएस अर्हता से संबंधित एबी सहयोग कर सकते हैं और शिक्षार्थियों को एक संयुक्त प्रशिक्षण का प्रस्ताव दे सकते हैं।

ख. अंगीकरण : एक एबी आवश्यकता के अनुसार डीएस/ पीएस अर्हता को अंगीकृत कर सकता है और शिक्षार्थी को संयुक्त प्रशिक्षण प्रदान कर सकता है। यह अंगीकरण अर्हता को अपनाने के लिए एनसीवीईटी दिशानिर्देशों के रूप में होगा।

ग. विकास : डीएस अर्हता रखने वाला एबी, पीएस पर अर्हता विकसित कर सकता है और एनसीवीईटी के अनुमोदन के बाद दोनों को लागू कर सकता है। ऐसे मामले में संबंधित एबी को एनसीवीईटी को विशेष रूप से पीएस अर्हता की आवश्यकता के संबंध में तर्कसंगत औचित्य प्रदान करना होगा और इसे एनएसक्यूसी अनुमोदन मार्ग के माध्यम से एनएसक्यूएफ से जोड़ना होगा। तथापि, एलटीटी व्यवस्था में, एक एबी टीओए के लिए एक एकल अर्हता विकसित कर सकता है, जिसमें डोमेन और प्लेटफार्म कौशल दोनों ही शामिल है और इसे एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित किया जा सकता है।

टिप्पणी: किसी भी मामले में, एक शिक्षार्थी को फिर से डीएस या पीएस अर्हता लेने की आवश्यकता नहीं है, यदि उसे इसके लिए पहले ही प्रमाणित किया जा चुका है।

8.7 टीओए अर्हता का एनएसक्यूएफ संरेखण और अनुमोदन:

टीओए अर्हता का संरेखण और अनुमोदन अवार्डिंग निकायों द्वारा प्रस्तुत किसी भी अर्हता के समान है। अवार्डिंग निकाय अर्हता फाइल नामक एक टेंपलेट में अपनी जानकारी मॉडल पाठ्यक्रम, छोटे, मध्यम और बड़े उद्योगों से उद्योग, सत्यापन, मान्यता और मूल्यांकन मानदंड, व्यावसायिक मानचित्र और अर्हता की आवश्यकता के साक्ष्य जैसे सहायक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं। अर्हता अनुमोदन की प्रक्रिया नीचे दी गई है :

अर्हता अनुमोदन की प्रक्रिया इस प्रकार है :

चरण 1	जैसा कि एनएसक्यूएफ के अंतर्गत उल्लेख किया गया है, विभिन्न सिद्धांतों की

	अनुपालना के लिए अर्हता की जांच की जाएगी और प्रस्तुत करने वाले निकाय के साथ टिप्पणियां साझा की जाएगी।
चरण 2	एनसीवीईटी द्वारा सामग्री पर टिप्पणियों और फीडबैक के लिए औद्योगिक विशेषज्ञों और विषय संबंधी विशेषज्ञों के साथ अर्हता साझा की जाएगी। एनसीवीईटी फाइल के लिए संगत हितधारकों के साथ परामर्श सत्र आयोजित करेगी।
चरण 3	हितधारकों से प्राप्त फीडबैक का प्रस्तुतकर्ता निकाय द्वारा समाधान किया जाएगा।
चरण 4	एनसीवीईटी द्वारा अंतिम प्रस्तावों को अनुमोदन के लिए एनएसक्यूसी बैठक में रखा जाएगा। अनुमोदित अर्हताएं राष्ट्रीय अर्हता रजिस्टर (एनक्यूआर) का भाग बन गई है और शेष को टिप्पणियों के साथ प्रस्तुत करने वाले निकाय को वापस किया जाएगा।

8.8 अर्हता का अंगीकरण

एबी द्वारा विकसित अर्हता को अन्य एबी द्वारा भी अपनाया जा सकता है, यदि यह एनसीवीईटी के अंगीकरण दिशानिर्देशों के अनुसार उस एबी की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह प्रयासों के दोहराव और अर्हताओं के दोहरेपन, दोनों को समाप्त कर देगा। एबी को टीओए अर्हता को डिजाइन और विकसित करते समय एक पसंदीदा मार्ग के तौर पर अपनाने का पालन करने का सुझाव दिया जाता है।

8.9 मौजूदा टीओए अर्हता का संरेखण

कुछ मौजूदा एबी में पहले से ही टीओए अर्हता के साथ टीओए व्यवस्था मौजूद है, उदाहरण के लिए, शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) डीओटी का एक प्रकार का दीर्घकालिक टीओए कार्यक्रम है। ये एबी बड़े बैमाने पर सरकारी निकाय हैं, जो एलटीटी कार्यक्रमों को लागू करते हैं। ऐसे एबी को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अधीन टीओए अर्हता लागू की जानी जारी रह सकती है :

क. इस तरह की अर्हता एनएसक्यूएफ से जुड़ी हुई है।

ख. इस तरह की अर्हता के तहत एनसीवीईटी टीओए दिशानिर्देशों में निर्धारित क्षेत्र (डोमेन) और शैक्षणिक घटक शामिल हैं।

ग. ऐसी अर्हताओं में, अवधि को अनुकूल किया जा सकता है और यह टीओए दिशानिर्देशों के अनुसार होगी

8.10 मूल्यांकनकर्ताओं के लिए प्रगति पथ:

टीओए के लिए अर्हता में इसके लिए एक प्रगति पथ होगा, जिसे मूल्यांकनकर्ता अपने कैरियर में वृद्धि के लिए ले सकते हैं।

8.11 मूल्यांकन प्रदान करने के लिए डिजिटल साधन और तकनीक: एनिमेशन, सिमुलेटर, एक्स आर, डिजिटल ट्विन, मेटावर्स, गोमिंग, दिव्यांगों के लिए विशेष उपकरण

प्रौद्योगिकी आधारित मूल्यांकन प्रक्रियाएं निम्नलिखित कारणों से लोकप्रिय बन रही है :

i. निष्पक्ष मूल्यांकन से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा सकता है।
ii. मूल्यांकन की प्रक्रिया का अवलोकन करने और रिकार्डिंग के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है।
iii. एम्बेडेड एआई टूल का उपयोग करके छात्रों के व्यवहार/शारीरिक संकेतों को भी स्पष्ट रूप से देखा और वर्णित किया जा सकता है।
iv. स्वचालित मूल्यांकन और परिणामों का सारांश टूल द्वारा तैयार किया जा सकता है।
v. सामग्री का मासिक उपयोग, अतः प्रशिक्षण और मूल्यांकन की लागत बचेगी।

मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रौद्योगिकी टूल के भाग के रूप में अपेक्षित विशेषताओं के विस्तृत सुझाव मिश्रित शिक्षण पर एनसीवीईटी दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट है। मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों का खंड 7 देखें (https://ncvet.gov.in/wp-content/uploads/2023/01/Guidelines-for-Blended-learning-for-Vocational-Education-Training-Skilling.pdf)

8.12 मूल्यांकन विधियां, सहायता और उनकी प्रयोज्यता:

मूल्यांकन विधि	मूल्यांकन सहायता	प्रयोज्यता
मूल्यांकन की ऑनलाइन विधि	1. इंटरनेट कनेक्शन 2. इलैक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे- लेपटॉप, कंप्यूटर, अथवा स्मार्टफोन, टेबलेट 3. मूल्यांकन की जरूरत के अनुसार ऑनलाइन मूल्यांकन टूल 4. प्रायोगिक मूल्यांकन का मूल्यांकन करने के लिए टूल	1. आईटी कौशलों की जांच के लिए लागू 2. कंप्यूटर के प्रायोगिक ज्ञान की जांच के लिए लागू
मूल्यांकन की ऑफलाइन विधि	1. मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त स्थान 2. प्रिंट सामग्री	1. सीमित/ कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों में लागू

	3. उत्तर पुस्तिकाएं 4. प्रायोगिक/ हैंड्स ऑन मूल्यांकनों के मूल्यांकन के लिए टूल और उपकरण	2. लागू, जब मूल्यांकन को आसानी से करने के लिए पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध है 3. लेब परीक्षण करने के लिए लागू 4. फील्ड आधारित जॉब भूमिकाओं में लागू, जिसमें ऑन द जॉब मूल्यांकन अपेक्षित है। उदाहरण के लिए, एक टेलर और ब्यूटिशियन के कौशलों का मूल्यांकन करना
ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों, दोनों की सम्मिलित मूल्यांकन विधि	1. इलैक्ट्रिक उपकरण, जैसे लेपटॉप, कंप्यूटर, अथवा स्मार्ट फोन ताकि शिक्षार्थियों की प्रतिक्रिया दर्ज हो सके। 2. ऑनलाइन मूल्यांकन टूल और सॉप्टवेयर, जो मूल्यांकन के लिए आवश्यक है, का उपयोग नेटवर्क जोन में प्रवेश करने तक प्रतिक्रियाओं की सुरक्षा के लिए किया जाता है। टूल के तहत यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि : क. सभी हल किए गए प्रश्नों को स्वचालित रूप से एक साथ सेव किया जाना चाहिए। ख. हल किए जाने के बाद प्रस्तुत किए गए मूल्यांकन में आगे कोई बदलाव नहीं हो सकता ताकि किसी भी कदाचार से बचा जा सके।	1. जब इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, तो दूरदराज के क्षेत्रों में शून्य/ कम इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ लागू।

8.13 टीओए प्रमाणपत्र प्राप्त करने के बाद मूल्यांकनकर्ता की प्लेसमेंट

i. मौजूदा मूल्यांकनकर्ताओं के लिए:

क. पदाधिकारी पहले से ही एक “प्रमाणित प्रशिक्षक” है और यदि व्यक्ति डोमेन कौशल और शैक्षणिक कौशल, दोनों पर फाइल में निर्दिष्ट न्यूनतम स्कोर के साथ प्रमाणीकरण पास करते हैं।

ख. परिणामों की घोषणा और पत्र/ प्रमाण पत्र जारी करना (जैसा भी लागू हो) मूल्यांकन के सात दिनों के भीतर पूरा किया जाना है।

ग. प्रमाणन प्राप्त करने के बाद, मूल्यांकनकर्ताओं को मूल्यांकन एजेंसियों में गुणवत्ता मूल्यांकन करने के लिए रखा जाएगा।

घ. एए अपनी योग्यता और अनुभव के आधार पर इन प्रमाणित मूल्यांकनकर्ताओं को नियुक्त करता है और निष्पक्ष चयन और गुणवत्ता नियंत्रण भी सुनिश्चित करता है।

9. टीओए कार्यक्रम का कार्यान्वयन

9.1 टीओए के लिए अवसंरचनात्मक अपेक्षाएं

i. प्रत्येक अवार्डिंग निकाय अपने अधिकार क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षण केंद्रों की पहचान करेगा, जैसा कि एनसीवीईटी द्वारा मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) केंद्रों को निर्दिष्ट कराने के लिए अधिदेश दिया गया है। एबी को यह सुनिश्चित करना है कि ऐसे केंद्रों के अभाव से गतिविधि के संचालन में कोई बाधा नहीं आए।

ii. टीओए केंद्रों का प्रयोजन ऐसे व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जो विभिन्न मूल्यांकनों अथवा अर्हताओं के लिए मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में कार्य करेंगे। ये मूल्यांकनकर्ता प्रमाणपत्रों अथवा अर्हताओं की मांग करने वाले अभ्यार्थियों की योग्यता अथवा प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

iii. टीओए गतिविधि संचालित करने में किसी भी बाधा अथवा विलंब से बचने के लिए, अवार्डिंग निकाय, जैसा कि एनसीवीईटी द्वारा अधिदेशित किया गया है उनके क्षेत्राधिकार में पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षण केंद्रों की पहचान के लिए जिम्मेदारी लेगा। केंद्रों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर किया जाएगा, ताकि अवार्डिंग निकाय द्वारा निर्धारित अपेक्षाओं और मानकों को पूरा किया जा सके। इन केंद्रों का व्यापक भौगोलिक वितरण करने का लक्ष्य है ताकि संभावित मूल्यांकनकर्ताओं के लिए पहुंच सुनिश्चित हो सके।

iv. टीओए केंद्रों के एक नेटवर्क को नामित करके, अवार्डिंग निकाय यह सुनिश्चित करता है कि इच्छुक मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षण और प्रमाणन के अवसरों तक सुविधाजनक पहुंच हो। यह दृष्टिकोण प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं की कमी के जोखिम को कम करने में मदद करता है और अवार्डिंग निकाय द्वारा आयोजित मूल्यांकन प्रक्रियाओं के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करता है।

9.2 मूल्यांकन करना

i. मूल्यांकन की प्रक्रिया के दौरान, निम्नलिखित का रखरखाव किया जाना चाहिए :

क. एए अर्हता प्राप्त मूल्यांकनकर्ताओं की नियुक्ति करेगा और एबी को उनकी उपलब्धता की पुष्टि करेगा (नाम/ पते और फोन नंबर सूचित करने की जरूरत नहीं)।

ख. आदर्श रूप से, नियुक्त किए गए मूल्यांकनकर्ताओं को 24 घंटे (यात्रा समय) के भीतर मूल्यांकन के स्थान पर पहुंचने में सक्षम होना चाहिए।

ग. मूल्यांकनकर्ता प्रशिक्षण केंद्रों में मूल्यांकन टूल और उपकरणों की उपलब्धता, जहां कहीं भी आवश्यक हो, अनुसूचित भाषा में मूल्यांकन का संचालन करेगा। यह एबी और एए के बीच हस्ताक्षरित सेवा स्तर समझौते (एसएलए) का एक हिस्सा होगा, जिसका पालन किया जाना चाहिए।

घ. एए को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे संबंधित एबी द्वारा निर्दिष्ट की जाने वाली अर्हता की आवश्यकता के अनुरूप, जहां भी आवश्यक हो, पर्याप्त संख्या में प्रॉक्टर हायर करें। एए स्पष्ट रूप से प्रॉक्टरों के जॉब विवरण को सुनिश्चित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि केवल प्रमाणित प्रॉक्टरों को ही मूल्यांकन के निरीक्षण में लगाया जाए।

ड. एए आयोजित किए जाने वाले ऑनलाइन और मिश्रित मूल्यांकनों के लिए प्रॉक्टरों को संरेखित करेगा :

1. एक भौतिक मूल्यांकन केंद्र पर फेस-टू-फेस

2. अभ्यर्थी के अपने स्थान/ मूल्यांकन केंद्र पर एक वर्चुअल मूल्यांकन करने के लिए ऑनलाइन प्रोक्टर किया गया।

3. अभ्यर्थी के अपने स्थान/ केंद्र पर दूरस्थ स्वचालित प्रॉक्टर किया गया।

4. एक पूर्ण रूप से ऑनलाइन मूल्यांकन प्रक्रिया के मामले में, एनसीवीईटी के मिश्रित शिक्षण दिशानिर्देशों के अनुरूप प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी का पता लगाने और बचने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम होना चाहिए।

5. एए यह सुनिश्चित करेगा कि मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों को प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जाए और नई अर्हताओं के लिए कोई भी आवश्यकता आधारित ब्रिज प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। एए द्वारा एनसीवीईटी को उनके द्वारा प्रशिक्षित किए गए अनेक मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों के संबंध में डेटा प्रदान किया जाएगा। सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) पाठ्यक्रम मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों सहित उनके कार्यात्मक प्रदर्शन में वृद्धि के लिए सभी अन्य स्टॉफ के लिए किए जाएं।

ii. एए यह सुनिश्चित करेगा कि विभिन्न अर्हताओं के लिए मूल्यांकन प्रदान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले मूल्यांकन टूल मूल्यांकन प्रदान करने से पूर्व संबंधित एबी द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं।

क. एए यह सुनिश्चित करेगा कि सभी मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों को मूल्यांकन टूल और मूल्यांकन गाइड का उपयुक्त रूप से उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया जाए।

ख. एए छात्रों के लिए सहायक सामग्री के कई सेट तैयार करने के लिए जिम्मेदार होगा। इसमें छात्रों की बेहतर समझ और अभ्यास के लिए प्रश्न बैंकों के की सेट, अभ्यास मूल्यांकन परीक्षा, नमूना पत्र और अन्य अध्ययन सामग्री शामिल है।

ग. एए डोमेन विशिष्ट मूल्यांकन प्रदान करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)/ मशीन लर्निंग आधारित टेस्ट इंजिन, कंप्यूटर, टेबलेट, मोबाइल एप्लिकेशन, वीडियो कम्युनिकेशन टूल आदि का उचित उपयोग सुनिश्चित करेगा। एए द्वारा मूल्यांकन प्रदान करने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले आईसीटी टूल और प्रक्रियाओं को संबंधित एबी और/ अथवा एनसीवीईटी द्वारा अनुमोदित किया जाएगा। मूल्यांकन प्रदान करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले आईसीटी/ प्रौद्योगिकी टूल को, जैसा कि एबी द्वारा अपनी अर्हताओं में यथा परिभाषित क्षमताओं के साथ संरेखित किया जाना चाहिए। दिव्यांगों के अनुकूल मूल्यांकनों के लिए प्रौद्योगिकी टूल भी उपलब्ध होने चाहिए।

घ. एए द्वारा योग्यता में निर्धारित प्रदर्शन मानदंड (पीसी) के आधार पर प्रत्येक अर्हता के लिए एबी द्वारा निर्धारित मूल्यांकन मानदंडों का पालन किया जाना चाहिए।

ड. एए द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि मूल्यांकन, चाहे ऑनलाइन हो या भौतिक मोड में, वह इस तरह से संरचित है कि यह संबंधित अर्हता में उल्लिखित 'मूल्यांकन मापदंड' के अनुसार दक्षताओं का मूल्यांकन किया गया है।

च. एए को एनओएस के भीतर व्यक्तिगत एनओएस और पीसी के आधार पर मूल्यांकन करने में सक्षम होना चाहिए और मूल्यांकन परिणाम एनओएस और पीसी-वार प्रदान किया जाना चाहिए।

9.2.1 भावी/ उभरते/ महत्वपूर्ण कौशल क्षेत्र

मूल्यांकनकर्ताओं का प्रशिक्षण (टीओए) यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहलु है कि व्यक्तियों के पास उभरती जॉब भूमिकाओं के लिए अपेक्षित कौशल और दक्षताएं हैं। जैसे-प्रौद्योगिकी तेजी से विकसित होती जा रही है, भावी और उभरते कौशल में मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण के लिए नए नए तरीके विकसित करना महत्वपूर्ण हो सकता है। संबंधित एबी/ एए को भावी/ उभरते/ महत्वपूर्ण कौशल क्षेत्रों में माड्यूल विकसित करना आवश्यक है।

9.2.2. पारंपरिक और विरासतीय (असामान्य) कौशल

क. पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) के लिए एक सुपरिभाषित, विश्वसनीय, उद्देश्यपरक, तर्कसंगत और स्थापित मूल्यांकन प्रक्रियों के साथ **प्रशिक्षित मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं** और **मूल्यांकनकर्ताओं** की आवश्यकता पड़ेगी। इस प्रकार के मूल्यांकन को विश्वसनीय मूल्यांकनकर्ताओं के माध्यम से भी किया जाना चाहिए और यह साक्ष्य पर आधारित होना चाहिए।

ख. कुछ पारंपरिक और विरासतीय कौशलों के क्षेत्रों में, गुरू शिष्य परंपरा पर विश्वास करने जैसे पारंपरिक/ विरासतीय तरीकों का उपयोग करके टीओए किया जा सकता है। संबंधित अवार्डिंग निकाय प्रतिष्ठित उद्योग निकायों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर सीधे ही मूल्यांकनकर्ताओं को सूचीबद्ध कर सकते हैं, जो कौशल व्यवस्था के उत्पादन के बड़े उपभोक्ता हैं।

9.2.3. क्रॉस सेक्टर/बहु कौशल क्षेत्र

वर्तमान जॉब भूमिकाओं के लिए संसाधन विकसित करने के लिए नए और उभरते कौशलों तथा प्रौद्योगिकियों के स्वीकार करने के लिए क्रास-सेक्टर (सीएस) और मल्टी सेक्टर (एमएस) विषयों में कौशल सेट की आवश्यकता होती है। एनसीवीईटी ने एक तंत्र विकसित किया है, जिसमें

संबंधित एबी सीएस/ एमएस अर्हता/ एनओएस/ माइक्रोक्रेडेंशियल प्रस्तुत कर सकता है। एबी को इन क्षेत्रों में शिक्षार्थियों का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकनकर्ताओं को तैयार करने के लिए सीएस/ एमएस जॉब से भूमिका पर टीओए के माड्यूल विकसित करने की आवश्यकता है।

9.2.4. रोजगारपरक कौशल

रोजगारपरक कौशल (ईएस) का मूल्यांकन करना टीओए कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है । मूल्यांकनकर्ता से रोजगारपरक कौशलों का मूल्यांकन करने की उम्मीद की जाती है, क्योंकि ईएस माड्यूल प्रत्येक अर्हता का एक भाग होने चाहिए।

10. वित्तीय विवरण

10.1 मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के लिए सांकेतिक पारिश्रमिक/ मानदेय

i. मूल्यांकनकर्ता को भुगतान करना क्षेत्र, बैच की अनुसूची, जॉब भूमिका तथा मूल्यांकनकर्ता और मूल्यांकन क्षेत्र भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करता है। मूल्यांकनकर्ताओं को किया गया औसत भुगतान प्रचलित दरों और मौजूदा नीतियों/ योजनाओं के दिशानिर्देशों पर आधारित होगा।

ii. ऐसे भी मामले हो सकते हैं, जहां पर भुगतान मूल्यांकनकर्ता के बैच और स्तर की संवेदनशीलता के आधार पर अधिक हो। यात्रा लागत तब अधिक हो सकती है, जब मूल्यांकन अंतिम समय पर निर्धारित किया जाता है, या मूल्यांकन दूरस्थ स्थानों पर होता है। ऐसे परिदृश्यों में सभी अप्रत्याशित लागतें मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा वहन की जाती हैं।

11. मूल्यांकनकर्ताओं और मास्टर मूल्यांकनकर्ताओं के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और कौशल उन्नयन

नए युग की उद्यमी भूमिकाओं के लिए निरंतर कौशल उन्नयन और क्रॉस सेक्टर कौशल की जरूरत होती है जिससे कि कोई व्यक्ति कौशलपूर्वक और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन कर सके। इसके लिए क्षेत्रों के भीतर और सभी जगह कौशलों में नियमित रूप से प्रशिक्षित और कौशल प्राप्त कार्यबल की आवश्यकता होती है। इन नौकरियों में कौशल प्रशिक्षण के लिए अर्हता की आवश्यकता होगी, जिसमें नौकरी के लिए संगत विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं को शामिल करने के लिए शिक्षण के परिणाम होंगे। कई अन्य लोगों के बीच रोजगार कौशल, डिजिटल कौशल, सॉफ्ट कौशल प्रदान करने में भी क्रेडेंशियल सक्षम होंगे। एक माइक्रो-क्रेडेंशियल कौशलों और ज्ञान के एक संगत सेट की उपलब्धि को प्रमाणित करता है और यह

उद्देश्य के विवरण, शिक्षण के परिणामों और उद्योग, नियोक्ताओं, सरकार या समुदाय द्वारा आवश्यकता के सशक्त साक्ष्य द्वारा निर्दिष्ट किया गया है।

12. मूल्यांकन और प्रमाणन

12.1. टीओटी प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों का मूल्यांकन : प्रक्रिया, प्रश्न बैंक कौशल मूल्यांकन परीक्षा, उत्तीर्ण प्रतिशतता

i. एए की जिम्मेदारी प्रश्नों, मूल्यांकन परीक्षा और अन्य अभ्यास अध्ययन सामग्री के कई सेट तैयार करने की होगी। ये प्रश्न बैंक संबंधित एबी के परामर्श से तैयार किए जाएंगे। एए द्वारा प्रश्न बैंकों की अवधि समीक्षा के लिए एक प्रक्रिया को परिभाषित किया जाना चाहिए और समीक्षा का प्रत्येक चक्र संबंधित एबी के परामर्श से किया जाना चाहिए। प्रश्न बैंक आवश्यकता के अनुसार स्थानीय भाषाओं और बोलियों में भी उपलब्ध होने चाहिए। प्रश्नों का नमूना संबंधित एबी और एए की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध होना चाहिए।

ii. प्रश्न बैंकों में एबी द्वारा निर्दिष्ट आसान, मध्यम और कठिन प्रश्नों का अनुपातिक मिश्रण होना चाहिए और समय-समय पर समीक्षा और सुधार/ परिवर्तन किया जाना चाहिए (अर्थात प्रत्येक 2-3 चक्रों के बाद)। एए का मूल्यांकन प्लेटफार्म सभी तरह के बहुविकल्पों और लघु उत्तरों के प्रश्नों को का प्रयोग करने में सक्षम होना चाहिए।

iii. टीओए की अनुसूची को एबी की वेबसाइट पर कम से कम 5 दिनों पूर्व एनसीवीईटी की जानकारी के साथ अपलोड किया जाएगा।

12.2. प्रमाणन और प्रमाणपत्रों का निर्गमन

सभी अकलनकर्ताओं का प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मूल्यांकन से गुजरना होगा और अवार्डिंग निकाय द्वारा प्राप्त एनएसक्यूएफ स्तर का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए उनका प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

क. प्रमाणपत्र निर्गमन प्राधिकरण : एनसीवीईटी और अवार्डिंग निकाय संयुक्त रूप से सफल शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रमाण पत्र जारी करेंगे। शिक्षार्थियों को एपीपीएआरआईडी प्राप्त करने के लिए स्वयं को भी पंजीकृत कराने की आवश्यकता है।

ख. प्रमाणपत्र जारी करने के लिए उपस्थिति मानदंड : अवार्डिंग निकाय द्वारा उपस्थिति दर्ज की जाएगी। अभ्यार्थियों के लिए सभी सैद्धांतिक सत्रों में भाग लेना अनिवार्य होना

चाहिए। व्यावहारिक सत्रों के लिए, अभ्यर्थी के पास प्रशिक्षण पूरा होने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पात्र हने के लिए कम से कम 90% उपस्थिति होनी चाहिए।

ग. प्रमाण की बैधता : प्रमाण पत्र किसी जॉब भूमिका के लिए जारी होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा। मूल्यांकन किए जाने के अध्यधीन प्रमाण पत्र पुनः जारी किया जा सकता है।

घ. डेटाबेस का रखरखाव : अवार्डिंग निकायों को एनसीवीईटी द्वारा प्रदान किए गए टेम्पलेट के अनुसार टीओए डेटाबेस रखा जाना चाहिए और एनसीवीईटी के साथ टीओए बैचों के संबंध में डेटा मासिक आधार पर साझा किया जाना चाहिए।

ड. मूल्यांकनकर्ता को प्रमाणपत्र के समाप्त होने से 6 माह पहले पुनः प्रमाणित कराना होगा।

च. किसी भी व्यक्ति को, जिसने अर्हता में पीएस को कवर किया है, उसे उसी पीएस अर्हता वाले किसी अन्य टीओए कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करते समय फिर से कवर करने की आवश्यकता नहीं होगी।

छ. प्रमाण पत्रों के साथ-साथ अवार्डिंग निकाय शिक्षार्थियों के साथ विस्तृत मूल्यांकन परिणामों को साझा करेंगे ताकि वे आत्मनिरीक्षण कर सकें और कमजोर बिन्दुओं पर काम करने के लिए उनकी पहचान कर सकें।

13. निगरानी एवं मूल्यांकन

13.1. गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण (क्यूए/ क्यूसी)

ये दिशानिर्देश मूल्यांकन प्रक्रिया के मानकीकरण पर केंद्रित हैं, जो सभी मूल्यांकनों में मूल्यांकन फ्रेमवर्क और मूल्यांकन विधि को पूरा करते हैं। ये विभिन्न हितधारकों के कार्यों और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करते हैं, जो निगरानी और मूल्यांकन की प्रक्रिया के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य करते हैं।

i. एए को प्रत्येक क्षेत्र और अर्हता, जिसके लिए इसे मान्यता दी गई है, के संबंध में मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण (टीओए) के लिए एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हता, एनओएस/ माइक्रोक्रेडेंशियल आधारित अर्हता, बहु कौशल और क्रॉस सेक्टर कौशल अर्हता के मूल्यांकन के संबंध में मान्यता की शर्तों का पालन करना चाहिए।

ii. एनसीवीईटी द्वारा एए से संबद्ध मूल्यांकनकर्ताओं, प्रॉक्टरों और एमएसई से संबंधित किसी भी जानकारी जैसे उनकी अर्हता, कार्य का अनुभव आदि के लिए मांग की जा

सकती है और एए द्वारा ऐसी जानकारी एनसीवीईटी को प्रदान की जाएगी। तथापि, एनसीवीईटी द्वारा डेटा की गोपनीयता और अन्य संबद्ध कानूनों के अनुसार ऐसी जानकारी की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।

iii. एए द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उसके पास उन उपकरणों और सहायताओँ का एक तैयार भंडार है, जो अर्हता की जरूरतों के अनुरूप है। अर्हता का मूल्यांकन करने के लिए विकसित उपकरण शिक्षार्थियों के कौशल, ज्ञान और दक्षताओं और मैप करने में सक्षम होना चाहिए और एनओएस/ अर्हताओं के शिक्षण परिणामों का मूल्यांकन करने में समर्थ होना चाहिए और शिक्षार्थियों की जरूरतों के अनुसार सक्षम होना चाहिए। एए द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि मूल्यांकन के उपकरण दिव्यांग शिक्षार्थियों के लिए मूल्यांकनों को प्रदान करने में पर्याप्त रूप से समर्थित हो।

iv. मूल्यांकन कार्रवाई एनसीवीईटी दिशानिर्देशों द्वारा परिभाषित मूल्यांकन की निर्धारित समय सीमा के भीतर होनी चाहिए। मूल्यांकन एजेंसी के दिशानिर्देशों के अनुसार एए मूल्यांकन से पहले, उसके दौरान और उसके बाद में सभी मूल्यांकन प्रक्रियों की योजना और निर्बाध वितरण के लिए जिम्मेदार होगा।

v. एए द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए समुचित सुरक्षा के उपाय किए जाने चाहिए कि केवल जिन्हें परिणाम देखने के लिए अधिकृत किया गया है, वे ही इसे उपयोग कर सकें। एए द्वारा संबंधित एबी के निर्णय के अनुसार, यथा लागू पुनःमूल्यांकन/ पुनः मूल्यांकन की प्रक्रिया की जाएगी।

vi. एए द्वारा (दोहरी पहचान वाले निकायों के मामले में एबी का स्वतंत्र परीक्षा वर्टिकल) प्रचालन मैनुअल में दी गई समय सीमा के अनुसार संबंधित एबी के परिणाम प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

vii. एए द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एनसीवीईटी के शिकायत निवारण दिशानिर्देशों के अनुसार शिकायत निवारण तंत्र है।

viii. एए द्वारा राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से मूल्यांकन संबंधी जानकारी, अनुसंधान और विकास को इकट्ठा और प्रसारित किया जाना चाहिए।

ix. एए द्वारा मूल्यांकन प्रक्रिया में किसी भी कदाचार अथवा, कुप्रशासन की जांच करने के लिए अद्यतन लिखित प्रक्रियाओं को स्थापित और बनाए रखना चाहिए तथा यह

सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस तरह की जांच कड़ाई से प्रभावी तरीके से और समुचित क्षमता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाए, जिनका उनके परिणामों में कोई निजी हित नहीं है। एए द्वारा ऐसी रिपोर्ट की एक प्रति संबंधित एबी को प्रस्तुत की जाएगी। गंभीर प्रकृति के मामलों के संबंध में रिपोर्ट की एक प्रति एनसीवीईटी को प्रस्तुत की जाएगी।

x. कोई भी एए, जो मूल्यांकन करने के लिए ऑनलाइन माध्यम का उपयोग कर रहा है, उसे मूल्यांकन प्रक्रिया की वास्तविक समय निगरानी के लिए एक लिंक भी प्रदान करना चाहिए। मूल्यांकन का ऑफलाइन मोड या मिश्रित मोड उपयोग में लाने वाले अन्य लोगों को मूल्यांकन किए जा रहे बैच की वीडियो क्लिप और तस्वीरें भी प्रदान करनी चाहिए। इसमें निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

क. मूल्यांकनकर्ताओं और प्रॉक्टरों सहित अपने कर्मचारियों के रूप में उपेक्षित वर्गों के लिए लैंगिक समानता और सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ख. प्रशिक्षकों, नियोक्ताओं, मूल्यांकनकर्ताओं, प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य एजेंसियों जैसे हितधारकों से प्राप्त फीडबैक की अपेक्षा करने, रिकार्ड करने, विश्लेषण करने और कार्रवाई करने के लिए एक प्रणाली की स्थापना सुनिश्चित की जाएगी।

ग. मूल्यांकन एजेंसी प्रचालनात्मक मैनुअल के तहत निर्धारित की गई समय-सीमा के भीतर एनसीवीईटी को, सतत मानकों के अनुरूप अपेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत किए जाए।

घ. मूल्यांकन एजेंसी प्रचालनात्मक मैनुअल की धारा 8 के अनुसार यथानिर्दिष्ट, एनसीवीईटी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निरीक्षण सुविधा प्रदान की जाए।

ड. मूल्यांकन एजेंसी प्रचालनात्मक मैनुअल के तहत, यथानिर्दिष्ट स्व-विनियमन, निरंतर निगरानी और वार्षिक समीक्षा सिफारिशों के अनुरूप है।

च. शिक्षार्थियों के मूल्यांकन संबंधी डेटा के भंडारण का रख-रखाव या तो अपनी स्वयं की आंतरिक टीम के माध्यम से किया जाए या एनसीवीईटी द्वारा अधिदेशित किसी एजेंसी के माध्यम से किया जाए।

छ. डेटा गोपनीयता और निजता कानूनों, हस्ताक्षरित समझौतों या अनुबंधों से संबंधित प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

14. विविध

14.1. प्रशिक्षक और मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में दोहरी भूमिका

गुणवत्ता प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं, दोनों से अपने निम्नलिखित संबंधित कार्यों और जिम्मेदारियों को पूरा करने की अपेक्षा की जाती है।

14.1.1. मूल्यांकनकर्ता की प्रशिक्षक के रूप में दोहरी भूमिका :

क. संबंधित टीओटी प्रमाणन के साथ अपेक्षित हैंड्स ऑन कौशलों के साथ-साथ क्षेत्र संबंधी ज्ञान रखने वाला मूल्यांकनकर्ता इन दिशानिर्देशों में निर्धारित प्रवेश मानदंडों और अर्हताओं के लिए संबंधित अवार्डिंग निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों को पूरा करने पर एक प्रशिक्षक के रूप में कार्य करेगा।

ख. एक प्रथा के रूप में मूल्यांकनकर्ता को उस प्रशिक्षक से अलग होना चाहिए, जिसने बैच को सिखाया/ प्रशिक्षित किया है। तथापि, असाधारण मामलों में, दर्ज किए जाने वाले कारणों से, जहां मूल्यांकन की जा रही अर्हता/ कौशल असाधारण प्रकृति के है और उस असाधारण अर्हता में कोई मूल्यांकनकर्ता उपलब्ध नहीं है, तो ऐसे प्रशिक्षकों को भी पर्याप्त नियंत्रण और संतुलन के साथ यह जिम्मेदारी दी जा सकती है, बशर्ते कि ऐसे प्रावधान एनएसक्यूएफ संरेखित और अनुमोदित अर्हताओं में ही मूल्यांकन विधियों में उपलब्ध कराए जाएं। समाप्त हो रही कौशल अर्हताओं/ असाधारण पारंपरिक/ विरासतीय कौशलों में प्रशिक्षण/ पूर्व शिक्षण की मान्यता (आरपीएल) के लिए ऐसे अनुदेशक, जिन्हें केंद्र/ राज्य सरकार (रों) द्वारा उस विशिष्ट कौशल (लों) के लिए विधिवत निर्णित किया गया। मान्यता प्रदान की गई है, उन्हें आपवादिक/ असाधारण कौशल स्तर होने को देखते हुए प्रशिक्षण और मूल्यांकनों की दोहरी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

14.2. अन्तर्राष्ट्रीय अर्हता को मूल्यांकनकर्ताओं के लिए प्रवेश अर्हता के रूप में मानना

अंतराष्ट्रीय अर्हता वाले मूल्यांकनकर्ताओं को समकक्ष परीक्षा देनी अपेक्षित होगी और संगत अर्हताओं की प्रवेश संबंधी अपेक्षाओं के रूप में समकक्ष होने का अपेक्षित प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा।

14.3 उच्चतर एनएसक्यूएफ स्तर वाले मूल्यांकनकर्ताओं के लिए विचार करना

एक उच्चतर एनएसक्यूएफ स्तर की अर्हता रखने वाले मूल्यांकनकर्ता एक ही व्यवसाय के भीतर कम एनएसक्यूएफ स्तरों का मूल्यांकन कर सकते हैं और एसटीटी में मूल्यांकन प्रदान करने वाले एलटीटी मूल्यांकनकर्ता एसटीटी में और इसके विपरीत मूल्यांकन कर सकते हैं। उच्चतर एनएसक्यूएफ स्तर वाले फील्ड मूल्यांकनकर्ता समान व्यवसाय के भीतर कमतर एनएसक्यूएफ जॉब भूमिकाओं के लिए मूल्यांकन करेंगे। उदाहरण के लिए, एक स्तर 4 प्रमाणित फील्ड मूल्यांकनकर्ता एक ही व्यवसाय के भीतर स्तर 3 की जॉब भूमिकाओं का मूल्यांकन करने में सक्षम होना चाहिए। जबकि कुछ अवार्डिंग निकायों एबी ने पहले ही इस दृष्टिकोण को अपनाया है, अतः यह सिफारिश की जाती है कि यह एक मानक प्रक्रिया बन जाए और इस व्यवस्था के भीतर सभी अवार्डिंग निकायों द्वारा इसे सर्वत्र अपनाया जाए।

14.4 मूल्यांकनकर्ताओं का सतत व्यावसायिक विकास

टीओए दिशानिर्देशों में मूल्यांकनकर्ताओं के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) के महत्व को रेखांकित किया गया है ताकि उनके लिए सतत रूप से और आजीवन शिक्षण की प्रक्रिया हो सके। सीपीडी एक मूल्यांकनकर्ता को नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों, विनियमों और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के साथ अद्यतन रहने में सक्षम बनाएगा, जिससे उनके ज्ञान आधार, सशक्तिकरण और मूल्यांकन व्यवस्था के समग्र सुदृढ़ीकरण में वृद्धि हो सकेगी।

मूल्यांकनकर्ताओं का सतत व्यावसायिक विकास मूल्यांकनकर्ता एजेंसी द्वारा निम्नलिखित सांकेतिक माध्यमों के जरिए किया जा सकता है :

क. ई लर्निंग, डिडिटल वीडियो, व्याख्यान आदि का उपयोग करके मूल्यांकनकर्ताओं को ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा प्रदान करना जैसे स्वयं पोर्टल, राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएल), ई-पीजी, पाठशाला, ई-यात्रा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संबंधित शिक्षण कार्यक्रम (एनपीटीईएल) आदि।

ख. मूल्यांकनकर्ताओं के लिए उनके कौशल और ज्ञान का विश्लेषण करने के लिए स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली।

ग. उद्योग, शिक्षार्थियों और अवार्डिंग निकायों की जरूरतों का विश्लेषण करने और कमियों को दूर करने के उपाय करना।

घ. कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों में मूल्यांकनकर्ताओं की भागीदारी

ड. अन्य कोई साधन, जो मूल्यांकनकर्ताओं के समग्र विकास में योगदान दे।

यह उल्लेखनीय है कि मूल्यांकनकर्ता एजेंसी द्वारा की गई सतत व्यावसायिक विकास पहल निर्धारित टीओए कार्यक्रमों से अधिक है। सीपीडी पहल का उद्देश्य मूल्यांकनकर्ताओं के समग्र विकास और समग्र कौशल वृद्धि की दिशा में होना चाहिए और टीओए के विकास के रूप में इसे शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

14.5. अंतर-रेटर विश्वसनीयता

मूल्यांकनकर्ता एजेंसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षार्थियों के मौखिक और प्रायोगिक मूल्यांकन के लिए, एक मानक मूल्यांकन रूबिक को अपनाया जाए। मूल्यांकन विधियों में विसंगतियों की पहचान करने के लिए, मूल्यांकन एजेंसी निम्नलिखित दृष्टिकोण का सहारा ले सकती है :

i. इन दिशानिर्देशों के प्रयोजन के लिए, इंटर-रेटर विश्वसनीयता विभिन्न बैचों के लिए एक ही अर्हता का मूल्यांकन करने वाले दो या दो से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किए गए मूल्यांकन के परिणामों में समानता/ करार की मात्रा है। यह एक नई और उभरती अवधारणा है, जिसे कौशल व्यवस्था में शामिल किया जाना है और यह मूल्यांकन व्यवस्था में सततता की समस्या का समाधान करती है।

ii. इसे लागू करने के लिए, एक ही अर्हता के लिए कई मूल्यांकनकर्ताओं वाली एक मूल्यांकन एजेंसी विभिन्न मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन की गई समान अर्हता में औसत उत्तीर्णता प्रतिशता में भिन्नताएं कम हैं और विभिन्न मूल्यांकनकर्ताओं के लिए समान हैं, तो यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा पालन किए जाने वाले एक सुसंगत मूल्यांकन दृष्टिकोण की ओर इशारा करता है तथापि, यदि उत्तीर्णता के प्रतिशत में अधिक भिन्नताएं हैं, तो मूल्यांकन एजेंसी इस मुद्दे का विस्तार से विश्लेषण कर सकती है और इसके सुधार के लिए उपाय कर सकती है।

iii. यह मूल्यांकन परिणामों में मानक विचलन को निर्धारित करने के लिए बेल कर्व का उपयोग करके परिणाम विश्लेषण को दर्शाता है। घंटी के आकार (बेल शेष) के कर्व के माध्यम से, मूल्यांकन परिणामों से विचलन को मापा जा सकता है और यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मूल्यांकन दृष्टिकोण में स्थिरता है या नहीं। जब स्कोर के एक समूह का ग्राफ बेल कर्व बनाता है तो प्रत्येक छोर पर एक बड़ी गोल पीक दूर हो जाती है, हमारे पास एक सामान्य वितरण होता है।

iv. इस दृष्टिकोण का उपयोग यह जानने के लिए भी किया जा सकता है कि क्या परीक्षण बहुत आसान या बहुत कठिन था, क्योंकि विभिन्न मूल्यांकनकर्ताओं के पास एक प्रश्न को कठिन या आसान मानने की प्रक्रिया और समझ अलग-अलग हो सकती है।